संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 218
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
शनिवार 07 अक्टूबर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू



Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

मोटा भाई नहीं संभल रहा केंद्रीय गृहमंत्रालय... इस्तीफा क्यों नहीं दे देते

● कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का तंज



नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर के हालात का हवाला देकर केंद्रीय मंत्री शाह के नेतृत्व पर सवाल उठाए और कहा कि यदि गृह मंत्रालय नहीं संभल रहा है, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। कांग्रेस नेता खेड़ा ने अपने बयान में तंज कसते हुए कहा कि सात वर्षों में घुसपैठ का मुद्दा हल नहीं हुआ और तीन साल से मणिपुर में स्थिति सामान्य नहीं हुई है। अब अरुणाचल प्रदेश से जुड़े घटनाक्रम भी मोदी सरकार के लिए चुनौती बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमलों के अलावा दिल्ली में लाल किले के पास धमाके की घटना तथा दिल्ली के नजदीक 300 किलोग्राम आरडीएक्स मिलने जैसे मामलों पर भी केंद्र सरकार को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस राज्य सभा सांसद खेड़ा ने शाह को निशाने पर लेकर कहा कि उन्हें गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी छोड़कर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की भूमिका पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन पर भी तंज कसते हुए कहा कि उन्हें भी स्वतंत्र रूप से काम करने का मौका मिलना चाहिए। कांग्रेस नेता का बयान तब आया है, जब भाजपा और कांग्रेस के बीच कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर टकराव बढ़ा हुआ है। कांग्रेस चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्र सरकार पर लगातार हमले कर रही है। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने हाल ही में रामलीला मैदान में रैली कर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठाई थी। दूसरी ओर, भाजपा ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देने के लिए 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता विभिन्न राज्यों में जनसभाएं और पदयात्राएं कर रहे हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर की मांग इलाहाबाद हाईकोर्ट ने की खारिज

प्रयागराज, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी को सिख समुदाय पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अमेरिका दौरे के दौरान सिख समुदाय को लेकर दिए गए उनके कथित बयान के मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकल पीठ ने यह फैसला सुनाया। राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग को लेकर नागेश्वर मिश्रा और अन्य की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने सिख समुदाय के बारे में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की थी। इससे पहले वाराणसी की ट्रायल कोर्ट ने भी इस संबंध में दाखिल अर्जी खारिज कर दी थी। ट्रायल कोर्ट के फैसले को याचिकाकर्ताओं ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत ने याचिका खारिज करते हुए राहुल गांधी को बड़ी राहत दी है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी के मुताबिक, राहुल गांधी ने सितंबर 2024 में अमेरिका यात्रा के दौरान सिख समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर टिप्पणी की थी। आरोप है कि उन्होंने कहा था कि भारत में सिखों को कड़ा पहनने, पगड़ी बांधने और गुरुद्वारे जाने की आजादी को लेकर स्थिति चिंताजनक है।

राहुल गांधी की रैली का एकमात्र मकसद... मतों की रक्षा करना नहीं, बल्कि घुसपैठियों को बचाना

करनाल में रैली कर राहुल के विदेश दौरों का शाह ने मांगा ब्यौरा



करनाल , एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलकर आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद में हंगामा करने को कांग्रेस की कार्यशैली बना दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है, लेकिन कांग्रेस चर्चा से बचने के लिए हंगामा कर रही है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने करनाल में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर केंद्र सरकार संसद में खुली चर्चा के लिए तैयार है। भाजपा का संकल्प है कि घुसपैठियों की पहचान कर उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाएं।

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के चाणक्य शाह ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर निशाना साधकर कहा कि उसकी रैली का उद्देश्य मतों की रक्षा करना नहीं, बल्कि घुसपैठियों को बचाना है। उन्होंने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर भी सवाल उठाए। शाह ने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और देश की जनता को उनकी विदेश यात्राओं का ब्यौरा जानने का अधिकार है। इसके पहले केंद्रीय मंत्री शाह के नेतृत्व में भाजपा की पदयात्रा निकाली गई। सेक्टर-12 से शुरू हुई यह यात्रा दयानंद चौक पर संपन्न हुई। इसमें सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर केंद्र सरकार के समर्थन में नारे लगाते नजर आए।

पदयात्रा में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री एवं करनाल के सांसद मनोहर लाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता, पार्टी की हरियाणा प्रभारी स्मृति ईरानी और प्रदेश के कई मंत्री शामिल हुए।

गौरतलब है कि एक नवंबर को विपक्षी गठबंधन इंडिया ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली आयोजित की थी। इसमें विपक्षी नेताओं ने चुनावी अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। इसके जवाब में भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है। इसके पहले अमित शाह हैदराबाद में भी इसी अभियान के तहत पदयात्रा का नेतृत्व कर चुके हैं।

अग्निवीरों का सेवा विस्तार अच्छा कदम, हर युवा को मिले 3-4 साल की सैन्य ट्रेनिंग: सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने केंद्र सरकार के अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार देने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक युवा को तीन से चार साल की सैन्य ट्रेनिंग मिलनी चाहिए, ताकि युवा शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होने के साथ देश की सुरक्षा के लिए तैयार रहें। उन्होंने रूस सहित कई देशों की सैन्य प्रशिक्षण व्यवस्था का उदाहरण देकर कहा कि भारत में भी ऐसी व्यवस्था लागू करने पर विचार होना चाहिए। केंद्र सरकार ने हाल ही में घोषणा की है कि चार साल का कार्यकाल पूरा कर रहे अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार मिलेगा। इसके बाद निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने और व्यक्तिगत सहमति देने वाले अग्निवीरों को स्थायी भर्ती का मौका मिलेगा। इस फैसले पर प्रतिक्रिया देकर बृजभूषण ने कहा कि अग्निवीर योजना के पीछे संभवत: यह सोच रही होगी कि देश का प्रत्येक नागरिक स्वस्थ और सैनिक के रूप में प्रशिक्षित हो। उन्होंने कहा कि कई देशों में युवाओं को तीन से चार साल की सैन्य ट्रेनिंग देने के बाद उन्हें सामान्य जीवन और पढ़ाई में लौटने का मौका दिया जाता है। उनके अनुसार, सेना में नौकरी देने की व्यवस्था जुड़ने के कारण योजना को लेकर कुछ अंतर्विरोध पैदा हुए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सेना की जरूरतों, युद्ध की परिस्थितियों और युवाओं की भूमिका को देखते हुए मोदी सरकार का सेवा विस्तार का निर्णय सराहनीय है। इससे अधिक युवा अग्निवीर बनने के लिए प्रेरित होंगे। बृजभूषण ने जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार दो या तीन बच्चों की सीमा निर्धारित करती है, तब इसका उल्लंघन करने वालों के संबंध में गंभीरता से विचार होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने इसके साथ जातीय और सामाजिक संतुलन बनाए रखने की जरूरत बता दी। उन्होंने कहा कि देश में जाति आधारित सामाजिक वास्तविकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राजनीतिक दल भी टिकट वितरण और मंत्री पद तय करते समय संख्या बल को महत्व देते हैं।

ट्रंप के बाद अब पीएम मोदी की बारी, मिडटर्म चुनावों के नतीजों पर प्रशांत भूषण का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के मिडटर्म चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगे झटके के बाद भारत में भी राजनीतिक बयानबाजी तेज हुई है। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने चुनावी नतीजों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर कहा कि अमेरिकी मतदाताओं ने नफरत, डर और दुष्प्रचार की राजनीति को खारिज कर दिया है। अब भारत में भी बदलाव की बारी है। प्रशांत भूषण ने पोस्ट कर कहा कि अमेरिकी मध्यावधि चुनाव भारत के लिए कई महत्वपूर्ण सबक लेकर आए हैं। उनके मुताबिक, ट्रंप भी प्रधानमंत्री मोदी की तरह मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने और प्रवासियों के मुद्दे पर लोगों में डर पैदा करने की राजनीति कर रहे थे, लेकिन अमेरिकी मतदाताओं ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने ट्रंप के इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ करीबी संबंधों का जिक्र किया। वरिष्ठ वकील भूषण ने आरोप लगाया कि ट्रंप की राजनीति झूठ और दुष्प्रचार पर आधारित थी, जो कि जनता ने नकार दिया। उन्होंने अपने संदेश के अंत में कहा कि ट्रंप के बाद अब प्रधानमंत्री मोदी की बारी है। इस बीच कांग्रेस ने भी अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी मध्यावधि चुनावों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थागत संतुलन और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने की ताकत को प्रदर्शित किया है। कांग्रेस नेता रमेश के अनुसार, इन चुनावों ने राष्ट्रपति ट्रंप को निर्णायक रूप से खारिज किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में वर्ष 2014 के बाद से लोकतांत्रिक संस्थाओं का संतुलन लगातार कमजोर हुआ है। कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार की एक राष्ट्र, एक चुनाव की पहल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था लोकतंत्र में सरकारों की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले मध्यावधि चुनावों की प्रभावशीलता को कम कर सकती है। अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर विपक्षी नेताओं के इन बयानों से भारत में भी लोकतंत्र, चुनावी जवाबदेही और राजनीतिक विमर्श को लेकर बहस तेज हो गई है।

गरीबों और वंचितों को न्याय, सुरक्षा व सम्मान केवल बसपा सरकार में : मायावती

लखनऊ , एजेंसी । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को बेहद महत्वपूर्ण बताकर दावा किया है कि बहुजन समाज के साथ-साथ उच्च जातियों के शोषित और गरीब लोगों को न्याय, सुरक्षा एवं सम्मान केवल बसपा सरकार में ही मिल सकती है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से प्रदेश में पांचवीं बार बसपा की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ पूरी ताकत से चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

बसपा प्रमुख मायावती ने लखनऊ स्थित पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में चुनावी तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में प्रदेश के सभी 75 जिलों के जिलाध्यक्षों और विभिन्न स्तरों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती, उम्मीदवारों के चयन और सभी वर्गों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा हुई।

पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार, मायावती ने कांग्रेस, भाजपा और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधकर कहा कि ये दल बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की बात करते हैं, लेकिन उस संविधान को सही भावना से लागू करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन सरकारों ने गरीबों, मजदूरों और बेरोजगार युवाओं के हितों की अनदेखी कर बड़े पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाया है। बसपा प्रमुख ने कहा कि गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई और शोषण से परेशान बहुजन समाज अब अपने राजनीतिक अधिकारों के जरिए समस्याओं का समाधान चाहता है। इसके लिए चुनाव प्रक्रिया का स्वतंत्र, निष्पक्ष और विश्वसनीय होना जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि बसपा की पिछली चार सरकारों ने कानून का राज स्थापित करने के साथ 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत पर काम किया। मायावती ने संगठन की कमियों को समय रहते दूर करने और पूरी निष्ठा से चुनावी अभियान में जुटने के निर्देश भी दिए।



आजम को सुप्रीम कोर्ट से झटका: मनी लॉन्ड्रिंग केस की अर्जी हाईकोर्ट भेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धनशोधन के नए मामले में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई से इंकार किया है। शीर्ष अदालत ने उनकी अर्जी इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दी है, जिससे उन्हें तत्काल राहत नहीं मिल सकी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय को निर्देश दिया है कि वह 16 नवंबर को एक खंडपीठ के समक्ष मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करे। साथ ही, शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय से उसी दिन, यानी 16 नवंबर को ही आजम खान की याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करने को कहा है। सपा नेता खान की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने ईडी की कार्रवाई पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ईडी दुर्भावनापूर्ण तरीके से काम कर रही है और इसका उद्देश्य आजम को चुनाव के दौरान जेल में रखना है। वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने शीर्ष अदालत में तर्क दिया कि जब आजम को रिहा किया जाने वाला था, तभी उन्हें जानबूझकर गिरफ्तार किया गया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, वे सिर्फ इतना चाहते हैं कि मैं (आजम खान) चुनाव के दौरान जेल में रहूं। गौरतलब है कि 78 वर्षीय सपा नेता को जौहर ट्रस्ट से जुड़े धनशोधन मामले के सिलसिले में 1 नवंबर को गाजियाबाद की विशेष अदालत में पेश किया था। ईडी ने आजम को 31 अक्टूबर को तब गिरफ्तार किया था, जब उन्हें कथित दोहरे पैन कार्ड मामले में रामपुर जेल से जमानत पर रिहा किया जा रहा था। यह गिरफ्तारी उनकी रिहाई के तुरंत बाद हुई, जिससे सिब्बल के आरोपों को बल मिलता है।

विपक्षी के झूठ और अफवाहों का जमीन और सोशल मीडिया से जबाव देगी बीजेपी

नई दिल्ली , एजेंसी। विपक्षी दलों के आरोपों का जवाब देने और अपना राजनीतिक विमर्श मजबूत करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने डिजिटल और जमीनी अभियानों को एक साथ जोड़ने की रणनीति बनाई है। सोशल मीडिया पर वीडियो, राजनीतिक गीतों और तीखे संदेशों के जरिए विपक्षी नेताओं को घेरने के साथ ही पार्टी विभिन्न राज्यों में पदयात्राओं, रैलियों और जनसभाओं के माध्यम से जनता तक पहुंचने की तैयारी में है। भाजपा का 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान इसी रणनीति का प्रमुख उदाहरण है।

यह अभियान एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली के बाद शुरु हुआ। इस रैली में विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार पर चुनावी अनियमितताओं के आरोप लगाए थे और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। इसके जवाब में भाजपा ने विपक्ष पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का आरोप लगाया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री विभिन्न राज्यों में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर अभियान को गति दे रहे हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, पदयात्राओं से लेकर डिजिटल कार्यक्रमों तक सभी गतिविधियां राज्य इकाइयों के समन्वय से संचालित हो रही हैं। इसका उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर जनता के सामने अपना पक्ष रखना और राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देना है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन संगठनात्मक स्तर पर अभियान की अगुवाई कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा और शिवराज सिंह चौहान सहित कई वरिष्ठ नेता भी विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। पार्टी का दावा है कि अभियान भाजपा शासित राज्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में भी चलाया जा रहा है।

वहीं डिजिटल मोर्चे पर भाजपा वीडियो, ग्राफिक्स, राजनीतिक गीतों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए विपक्ष को टारगेट कर रही है। वहीं, पदयात्राओं और जनसभाओं के माध्यम से इन संदेशों को सीधे जनता तक पहुंचाने की कोशिश हो रही है।

इस अभियान में छात्र संगठनों को शामिल किया गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने दिल्ली विश्वविद्यालय सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में रैलियों और विरोध प्रदर्शनों का आयोजन किया है। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि छात्र लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने के प्रयासों का विरोध कर रहे हैं। राजनीतिक संचार सलाहकार अनूप शर्मा के अनुसार, भाजपा ने शुरुआत से ही सोशल मीडिया की ताकत पहचानी और व्हाट्सएप सहित डिजिटल माध्यमों का व्यापक नेटवर्क तैयार किया। हालांकि, नई पीढ़ी के विरोध प्रदर्शनों ने पार्टी को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने के लिए प्रेरित किया है। उनके मुताबिक, भाजपा अब डिजिटल प्रचार को स्थानीय संपर्क, रैलियों और संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ रही है, क्योंकि केवल सोशल मीडिया के सहारे चुनावी सफलता हासिल करना संभव नहीं है।

तिरुपति लड्डू विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश से बाहर सुनवाई करने की मांग ठुकराई

नई दिल्ली, एजेंसी । तिरुपति के प्रसिद्ध लड्डुओं में कथित तौर पर मिलावटी घी के इस्तेमाल से जुड़े मामले की सुनवाई आंध्र प्रदेश से बाहर स्थानांतरित करने की मांग को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले के आरोपी महाराष्ट्र के डेयरी कारोबारी मच्छिंद्र शांताराम लंके की याचिका पर सुनवाई कर फैसला सुनाया।



लंके मालगंगा मिल्क एंड एग्रो प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने शीर्ष अदालत में दलील दी कि तिरुपति लड्डू विवाद राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री लगातार मामले पर बयान दे रहे हैं, इससे निष्पक्ष सुनवाई का माहौल प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट में घी में पशु चर्बी की मौजूदगी से इंकार करने के बावजूद राजनीतिक बयानबाजी जारी है।

वरिष्ठ वकील दवे ने शीर्ष अदालत से अनुरोध किया कि निष्पक्ष और स्वतंत्र सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए मुकदमे को आंध्र प्रदेश के किसी पड़ोसी राज्य में स्थानांतरित किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकांश आरोपी उत्तर भारत के हैं और उन्हें भाषा संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उनके मुताबिक, नेताओं के बीच चल रही राजनीतिक लड़ाई में आरोपियों को निशाना बनाया जा रहा है।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उनकी मांग को स्वीकार नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि मामले के कई गवाह आंध्र प्रदेश से जुड़े हैं और सुनवाई दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने से व्यावहारिक कठिनाइयां पैदा होंगी। अदालत ने उल्लेख किया कि मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने की है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यदि मामले में कोई अनुचित स्थिति उत्पन्न होती है, तब याचिकाकर्ता फिर अदालत का रुख कर सकते हैं। अंततः पीठ ने याचिका खारिज कर दी।

गौरतलब है कि चार अक्टूबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति लड्डुओं में पशु चर्बी के कथित इस्तेमाल की जांच के लिए पांच सदस्यीय स्वतंत्र एसआईटी गठित की थी। यह विवाद तब शुरू हुआ था, जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया था कि पिछली वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार के कार्यकाल में लड्डू बनाने में पशु चर्बी का इस्तेमाल हुआ था। इसके बाद राज्य में राजनीतिक विवाद गहरा गया था। वाईएसआर कांग्रेस ने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया था।

मुरासु के दौरान समुद्र में पलटी नाव, तमिलनाडु के चार मछुआरों के शव बरामद, पांच अब भी लापता

ओंगोल, एजेंसी । चक्रवात मुरासु के दौरान आंध्र प्रदेश के तट के पास समुद्र में नाव पलटने से लापता हुए तमिलनाडु के नौ मछुआरों में से चार के शव बरामद किए हैं। बाकी पांच मछुआरों की तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। प्रकाशम जिले के कलेक्टर पी. राजा बाबू ने इसकी जानकारी दी। कलेक्टर के अनुसार, मछुआरे 29 अक्टूबर को चेन्नई से समुद्र में मछली पकड़ने गए थे। चक्रवात की आशंका को देखकर उन्हें अपनी नौकाएं सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की सलाह दी गई थी। इसके बाद चार नौकाओं को आंध्र प्रदेश के तट पर खड़ा किया गया था। इसमें तीन रामयपट्टनम और एक निजामपट्टनम बंदरगाह पर थी। राजा बाबू ने बताया कि चार बरामद शवों में से तीन कोथापट्टनम के समुद्र तट पर बहकर आए, जबकि एक शव तलाश अभियान के दौरान मिला।

देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे राहुल गांधी : शहनवाज हुसैन

नई दिल्ली, एजेंसी । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शहनवाज हुसैन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने पंजाब के संगरूर में आयोजित इंसाफ रैली को लेकर राहुल गांधी की आलोचना कर आरोप लगाया कि वह राज्य के पुराने जख्मों को कुरेदने और लोगों की भावनाओं को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र कर कांग्रेस की घेराबंदी की। बीजेपी नेता हुसैन ने कहा कि राहुल गांधी पंजाब के लोगों को इंसाफ दिलाने की बात कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस के शासनकाल में हुए अत्याचारों का हिसाब अब तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि 1984 के दंगों की दर्दनाक यादें आज भी सिख समुदाय के लोगों के मन में मौजूद हैं। उस दौरान निर्दोष लोगों को निशाना बनाया गया था और कई परिवारों ने अपनों को खोया था। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि दंगों से जुड़े कई मामलों में अब भी कानूनी कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि जब भी गांधी परिवार का कोई सदस्य पंजाब जाता है, तब वहां के लोगों को उन भयावह घटनाओं की याद आ जाती है।

हुसैन ने राहुल गांधी पर देश में अराजकता फैलाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार है और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। जनता ने उन्हें जनादेश दिया है और भाजपा को भरोसा है कि 2029 के लोकसभा चुनाव में भी पार्टी जीत हासिल करेगी।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा रखना चाहिए। चुनाव के जरिए ही सत्ता परिवर्तन होता है और विपक्ष को अपनी बात जनता के सामने रखनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने राहुल गांधी के बयानों को लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ बताते हुए कहा कि देश की जनता ऐसे राजनीतिक रवैये को स्वीकार नहीं करेगी।



मोटा भाई नहीं संभल रहा केंद्रीय गृहमंत्रालय... इस्तीफा क्यों नहीं दे देते

● कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का तंज



नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर के हालात का हवाला देकर केंद्रीय मंत्री शाह के नेतृत्व पर सवाल उठाए और कहा कि यदि गृह मंत्रालय नहीं संभल रहा है, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। कांग्रेस नेता खेड़ा ने अपने बयान में तंज कसते हुए कहा कि सात वर्षों में घुसपैठ का मुद्दा हल नहीं हुआ और तीन साल से मणिपुर में स्थिति सामान्य नहीं हुई है। अब अरुणाचल प्रदेश से जुड़े घटनाक्रम भी मोदी सरकार के लिए चुनौती बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमलों के अलावा दिल्ली में लाल किले के पास धमाके की घटना तथा दिल्ली के नजदीक 300 किलोग्राम आरडीएक्स मिलने जैसे मामलों पर भी केंद्र सरकार को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस राज्य सभा सांसद खेड़ा ने शाह को निशाने पर लेकर कहा कि उन्हें गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी छोड़कर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की भूमिका पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन पर भी तंज कसते हुए कहा कि उन्हें भी स्वतंत्र रूप से काम करने का मौका मिलना चाहिए। कांग्रेस नेता का बयान तब आया है, जब भाजपा और कांग्रेस के बीच कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर टकराव बढ़ा हुआ है। कांग्रेस चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्र सरकार पर लगातार हमले कर रही है। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने हाल ही में रामलीला मैदान में रैली कर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठाई थी। दूसरी ओर, भाजपा ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देने के लिए 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता विभिन्न राज्यों में जनसभाएं और पदयात्राएं कर रहे हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर की मांग इलाहाबाद हाईकोर्ट ने की खारिज

प्रयागराज, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी को सिख समुदाय पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अमेरिका दौरे के दौरान सिख समुदाय को लेकर दिए गए उनके कथित बयान के मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकल पीठ ने यह फैसला सुनाया। राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग को लेकर नागेश्वर मिश्रा और अन्य की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने सिख समुदाय के बारे में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की थी। इससे पहले वाराणसी की ट्रायल कोर्ट ने भी इस संबंध में दाखिल अर्जी खारिज कर दी थी। ट्रायल कोर्ट के फैसले को याचिकाकर्ताओं ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत ने याचिका खारिज करते हुए राहुल गांधी को बड़ी राहत दी है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी के मुताबिक, राहुल गांधी ने सितंबर 2024 में अमेरिका यात्रा के दौरान सिख समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर टिप्पणी की थी। आरोप है कि उन्होंने कहा था कि भारत में सिखों को कड़ा पहनने, पगड़ी बांधने और गुरुद्वारे जाने की आजादी को लेकर स्थिति चिंताजनक है।

राहुल गांधी की रैली का एकमात्र मकसद... मतों की रक्षा करना नहीं, बल्कि घुसपैठियों को बचाना

करनाल में रैली कर राहुल के विदेश दौरों का शाह ने मांगा ब्यौरा

करनाल , एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलकर आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद में हंगामा करने को कांग्रेस की कार्यशैली बना दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है, लेकिन कांग्रेस चर्चा से बचने के लिए हंगामा कर रही है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने करनाल में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर केंद्र सरकार संसद में खुली चर्चा के लिए तैयार है। भाजपा का संकल्प है कि घुसपैठियों की पहचान कर उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाएं।

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के चाणक्य शाह ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर निशाना साधकर कहा कि उसकी रैली



का उद्देश्य मतों की रक्षा करना नहीं, बल्कि घुसपैठियों को बचाना है। उन्होंने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर भी सवाल उठाए। शाह ने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और देश की जनता को उनकी विदेश यात्राओं का ब्यौरा जानने का अधिकार है। इसके पहले केंद्रीय मंत्री शाह के नेतृत्व में भाजपा की पदयात्रा निकाली गई। सेक्टर-12 से शुरू हुई यह यात्रा दयानंद चौक पर संपन्न हुई। इसमें सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर केंद्र सरकार के समर्थन में नारे लगाते नजर आए।

पदयात्रा में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री एवं करनाल के सांसद मनोहर लाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता, पार्टी की हरियाणा प्रभारी स्मृति ईरानी और प्रदेश के कई मंत्री शामिल हुए।

गौरतलब है कि एक नवंबर को विपक्षी गठबंधन इंडिया ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली आयोजित की थी। इसमें विपक्षी नेताओं ने चुनावी अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। इसके जवाब में भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है। इसके पहले अमित शाह हैदराबाद में भी इसी अभियान के तहत पदयात्रा का नेतृत्व कर चुके हैं।

अग्निवीरों का सेवा विस्तार अच्छा कदम, हर युवा को मिले 3-4 साल की सैन्य ट्रेनिंग: सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने केंद्र सरकार के अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार देने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक युवा को तीन से चार साल की सैन्य ट्रेनिंग मिलनी चाहिए, ताकि युवा शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होने के साथ देश की सुरक्षा के लिए तैयार रहें। उन्होंने रूस सहित कई देशों की सैन्य प्रशिक्षण व्यवस्था का उदाहरण देकर कहा कि भारत में भी ऐसी व्यवस्था लागू करने पर विचार होना चाहिए। केंद्र सरकार ने हाल ही में घोषणा की है कि चार साल का कार्यकाल पूरा कर रहे अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार मिलेगा। इसके बाद निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने और व्यक्तिगत सहमति देने वाले अग्निवीरों को स्थायी भर्ती का मौका मिलेगा। इस फैसले पर प्रतिक्रिया देकर बृजभूषण ने कहा कि अग्निवीर योजना के पीछे संभवतः यह सोच रही होगी कि देश का प्रत्येक नागरिक स्वस्थ और सैनिक के रूप में प्रशिक्षित हो। उन्होंने कहा कि कई देशों में युवाओं को तीन से चार साल की सैन्य ट्रेनिंग देने के बाद उन्हें सामान्य जीवन और पढ़ाई में लौटने का मौका दिया जाता है। उनके अनुसार, सेना में नौकरी देने की व्यवस्था जुड़ने के कारण योजना को लेकर कुछ अंतर्विरोध पैदा हुए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सेना की जरूरतों, युद्ध की परिस्थितियों और युवाओं की भूमिका को देखते हुए मोदी सरकार का सेवा विस्तार का निर्णय सराहनीय है। इससे अधिक युवा अग्निवीर बनने के लिए प्रेरित होंगे। बृजभूषण ने जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार दो या तीन बच्चों की सीमा निर्धारित करती है, तब इसका उल्लंघन करने वालों के संबंध में गंभीरता से विचार होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने इसके साथ जातीय और सामाजिक संतुलन बनाए रखने की जरूरत बता दी। उन्होंने कहा कि देश में जाति आधारित सामाजिक वास्तविकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राजनीतिक दल भी टिकट वितरण और मंत्री पद तय करते समय संख्या बल को महत्व देते हैं।

ट्रंप के बाद अब पीएम मोदी की बारी, मिडटर्म चुनावों के नतीजों पर प्रशांत भूषण का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के मिडटर्म चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगे झटके के बाद भारत में भी राजनीतिक बयानबाजी तेज हुई है। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने चुनावी नतीजों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर कहा कि अमेरिकी मतदाताओं ने नफरत, डर और दुष्प्रचार की राजनीति को खारिज कर दिया है। अब भारत में भी बदलाव की बारी है। प्रशांत भूषण ने पोस्ट कर कहा कि अमेरिकी मध्यावधि चुनाव भारत के लिए कई महत्वपूर्ण सबक लेकर आए हैं। उनके मुताबिक, ट्रंप भी प्रधानमंत्री मोदी की तरह मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने और प्रवासियों के मुद्दे पर लोगों में डर पैदा करने की राजनीति कर रहे थे, लेकिन अमेरिकी मतदाताओं ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने ट्रंप के इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ करीबी संबंधों का जिक्र किया। वरिष्ठ वकील भूषण ने आरोप लगाया कि ट्रंप की राजनीति झूठ और दुष्प्रचार पर आधारित थी, जो कि जनता ने नकार दिया। उन्होंने अपने संदेश के अंत में कहा कि ट्रंप के बाद अब प्रधानमंत्री मोदी की बारी है। इस बीच कांग्रेस ने भी अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी मध्यावधि चुनावों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थागत संतुलन और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने की ताकत को प्रदर्शित किया है। कांग्रेस नेता रमेश के अनुसार, इन चुनावों ने राष्ट्रपति ट्रंप को निर्णायक रूप से खारिज किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में वर्ष 2014 के बाद से लोकतांत्रिक संस्थाओं का संतुलन लगातार कमजोर हुआ है। कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार की एक राष्ट्र, एक चुनाव की पहल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था लोकतंत्र में सरकारों की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले मध्यावधि चुनावों की प्रभावशीलता को कम कर सकती है। अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर विपक्षी नेताओं के इन बयानों से भारत में भी लोकतंत्र, चुनावी जवाबदेही और राजनीतिक विमर्श को लेकर बहस तेज हो गई है।

गरीबों और वंचितों को न्याय, सुरक्षा व सम्मान केवल बसपा सरकार में : मायावती

लखनऊ , एजेंसी । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को बेहद महत्वपूर्ण बताकर दावा किया है कि बहुजन समाज के साथ-साथ उच्च जातियों के शोषित और गरीब लोगों को न्याय, सुरक्षा एवं सम्मान केवल बसपा सरकार में ही मिल सकती है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से प्रदेश में पांचवीं बार बसपा की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ पूरी ताकत से चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

बसपा प्रमुख मायावती ने लखनऊ स्थित पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में चुनावी तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में प्रदेश के सभी 75 जिलों के जिलाध्यक्षों और विभिन्न स्तरों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती, उम्मीदवारों के चयन और सभी वर्गों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा हुई।

पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार, मायावती ने कांग्रेस, भाजपा और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधकर कहा कि ये दल बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की बात करते हैं, लेकिन उस संविधान को सही भावना से लागू करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन सरकारों ने गरीबों, मजदूरों और बेरोजगार युवाओं के हितों की अनदेखी कर बड़े पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाया है। बसपा प्रमुख ने कहा कि गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई और शोषण से परेशान बहुजन समाज अब अपने राजनीतिक अधिकारों के जरिए समस्याओं का समाधान चाहता है। इसके लिए चुनाव प्रक्रिया का स्वतंत्र, निष्पक्ष और विश्वसनीय होना जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि बसपा की पिछली



चार सरकारों ने कानून का राज स्थापित करने के साथ 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत पर काम किया। मायावती ने संगठन की कमियों को समय रहते दूर करने और पूरी निष्ठा से चुनावी अभियान में जुटने के निर्देश भी दिए।

आजम को सुप्रीम कोर्ट से झटका: मनी लॉन्ड्रिंग केस की अर्जी हाईकोर्ट भेजी

नई दिल्ली,एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धनशोधन के नए मामले में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई से इंकार किया है। शीर्ष अदालत ने उनकी अर्जी इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दी है, जिससे उन्हें तत्काल राहत नहीं मिल सकी है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय को निर्देश दिया है कि वह 16 नवंबर को एक खंडपीठ के समक्ष मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करे। साथ ही, शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय से उसी दिन, यानी 16 नवंबर को ही आजम खान की याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करने को कहा है।

सपा नेता खान की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने ईडी की कार्रवाई पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ईडी दुर्भावनापूर्ण तरीके से काम कर रही है और इसका उद्देश्य आजम को चुनाव के दौरान जेल में रखना है। वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने शीर्ष अदालत में तर्क दिया कि जब आजम को रिहा किया जाने वाला था, तभी उन्हें जानबूझकर गिरफ्तार किया गया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, वे सिर्फ इतना चाहते हैं कि मैं (आजम खान) चुनाव के दौरान जेल में रहूं।

गौरतलब है कि 78 वर्षीय सपा नेता को जौहर ट्रस्ट से जुड़े धनशोधन मामले के सिलसिले में 1 नवंबर को गाजियाबाद की विशेष अदालत में पेश किया था। ईडी ने आजम को 31 अक्टूबर को तब गिरफ्तार किया था, जब उन्हें कथित दोहरे पैन कार्ड मामले में रामपुर जेल से जमानत पर रिहा किया जा रहा था। यह गिरफ्तारी उनकी रिहाई के तुरंत बाद हुई, जिससे सिब्बल के आरोपों को बल मिलता है।

विपक्षी के झूठ और अफवाहों का जमीन और सोशल मीडिया से जबाव देगी बीजेपी

नई दिल्ली , एजेंसी। विपक्षी दलों के आरोपों का जवाब देने और अपना राजनीतिक विमर्श मजबूत करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने डिजिटल और जमीनी अभियानों को एक साथ जोड़ने की रणनीति बनाई है। सोशल मीडिया पर वीडियो, राजनीतिक गीतों और तीखे संदेशों के जरिए विपक्षी नेताओं को घेरने के साथ ही पार्टी विभिन्न राज्यों में पदयात्राओं, रैलियों और जनसभाओं के माध्यम से जनता तक पहुंचने की तैयारी में है। भाजपा का 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान इसी रणनीति का प्रमुख उदाहरण है।

यह अभियान एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली के बाद शुरु हुआ। इस रैली में विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार पर चुनावी अनियमितताओं के आरोप लगाए थे और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। इसके जवाब में भाजपा ने विपक्ष पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का आरोप लगाया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री विभिन्न राज्यों में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर अभियान को गति दे रहे हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, पदयात्राओं से लेकर डिजिटल कार्यक्रमों तक सभी गतिविधियां राज्य इकाइयों के समन्वय से संचालित हो रही हैं। इसका उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर जनता के सामने अपना पक्ष रखना और राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देना है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन संगठनात्मक स्तर पर अभियान की अगुवाई कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा और शिवराज सिंह चौहान सहित कई वरिष्ठ नेता भी विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। पार्टी का दावा है कि अभियान भाजपा शासित राज्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में भी चलाया जा रहा है।

वहीं डिजिटल मोर्चे पर भाजपा वीडियो, ग्राफिक्स, राजनीतिक गीतों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए विपक्ष को टारगेट कर रही है। वहीं, पदयात्राओं और जनसभाओं के माध्यम से इन संदेशों को सीधे जनता तक पहुंचाने की कोशिश हो रही है।

इस अभियान में छात्र संगठनों को शामिल किया गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने दिल्ली विश्वविद्यालय सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में रैलियों और विरोध प्रदर्शनों का आयोजन किया है। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि छात्र लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने के प्रयासों का विरोध कर रहे हैं। राजनीतिक संचार सलाहकार अनूप शर्मा के अनुसार, भाजपा ने शुरुआत से ही सोशल मीडिया की ताकत पहचानी और व्हाट्सएप सहित डिजिटल माध्यमों का व्यापक नेटवर्क तैयार किया। हालांकि, नई पीढ़ी के विरोध प्रदर्शनों ने पार्टी को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने के लिए प्रेरित किया है। उनके मुताबिक, भाजपा अब डिजिटल प्रचार को स्थानीय संपर्क, रैलियों और संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ रही है, क्योंकि केवल सोशल मीडिया के सहारे चुनावी सफलता हासिल करना संभव नहीं है।

तिरुपति लड्डू विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश से बाहर सुनवाई करने की मांग ठुकराई

नई दिल्ली, एजेंसी । तिरुपति के प्रसिद्ध लड्डुओं में कथित तौर पर मिलावटी घी के इस्तेमाल से जुड़े मामले की सुनवाई आंध्र प्रदेश से बाहर स्थानांतरित करने की मांग को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले के आरोपी महाराष्ट्र के डेयरी कारोबारी मच्छिंद्र शांताराम लंके की याचिका पर सुनवाई कर फैसला सुनाया।

लंके मालगंगा मिल्क एंड एग्रो प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने शीर्ष अदालत में दलील दी कि तिरुपति लड्डू विवाद राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री लगातार मामले पर बयान दे रहे हैं, इससे निष्पक्ष सुनवाई का माहौल प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट में घी में पशु चर्बी की मौजूदगी से इंकार करने के बावजूद राजनीतिक बयानबाजी जारी है।

वरिष्ठ वकील दवे ने शीर्ष अदालत से अनुरोध किया कि निष्पक्ष और स्वतंत्र सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए मुकदमे को आंध्र प्रदेश के किसी पड़ोसी राज्य में स्थानांतरित किया जाए। उन्होंने



कहा कि अधिकांश आरोपी उत्तर भारत के हैं और उन्हें भाषा संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उनके मुताबिक, नेताओं के बीच चल रही राजनीतिक लड़ाई में आरोपियों को निशाना बनाया जा रहा है।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उनकी मांग को स्वीकार नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि मामले के कई गवाह आंध्र प्रदेश से जुड़े हैं और सुनवाई दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने से व्यावहारिक कठिनाइयां पैदा होंगी। अदालत ने उल्लेख किया कि मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने की है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यदि मामले में कोई अनुचित स्थिति उत्पन्न होती है, तब याचिकाकर्ता फिर अदालत का रुख कर सकते हैं। अंततः पीठ ने याचिका खारिज कर दी।

गौरतलब है कि चार अक्टूबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति लड्डुओं में पशु चर्बी के कथित इस्तेमाल की जांच के लिए पांच सदस्यीय स्वतंत्र एसआईटी गठित की थी। यह विवाद तब शुरू हुआ था, जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया था कि पिछली वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार के कार्यकाल में लड्डू बनाने में पशु चर्बी का इस्तेमाल हुआ था। इसके बाद राज्य में राजनीतिक विवाद गहरा गया था। वाईएसआर कांग्रेस ने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया था।

मुरासु के दौरान समुद्र में पलटी नाव, तमिलनाडु के चार मछुआरों के शव बरामद, पांच अब भी लापता

ओंगोल, एजेंसी । चक्रवात मुरासु के दौरान आंध्र प्रदेश के तट के पास समुद्र में नाव पलटने से लापता हुए तमिलनाडु के नौ मछुआरों में से चार के शव बरामद किए हैं। बाकी पांच मछुआरों की तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। प्रकाशम जिले के कलेक्टर पी. राजा बाबू ने इसकी जानकारी दी। कलेक्टर के अनुसार, मछुआरे 29 अक्टूबर को चेन्नई से समुद्र में मछली पकड़ने गए थे। चक्रवात की आशंका को देखकर उन्हें अपनी नौकाएं सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की सलाह दी गई थी। इसके बाद चार नौकाओं को आंध्र प्रदेश के तट पर खड़ा किया गया था। इसमें तीन रामयपट्टनम और एक निजामपट्टनम बंदरगाह पर थी। राजा बाबू ने बताया कि चार बरामद शवों में से तीन कोथापट्टनम के समुद्र तट पर बहकर आए, जबकि एक शव तलाश अभियान के दौरान मिला।

देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे राहुल गांधी : शहनवाज हुसैन

नई दिल्ली, एजेंसी । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शहनवाज हुसैन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने पंजाब के संगरूर में आयोजित इंसाफ रैली को लेकर राहुल गांधी की आलोचना कर आरोप लगाया कि वह राज्य के पुराने जख्मों को कुरेदने और लोगों की भावनाओं को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र कर कांग्रेस की घेराबंदी की। बीजेपी नेता हुसैन ने कहा कि राहुल गांधी पंजाब के लोगों को इंसाफ दिलाने की बात कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस के शासनकाल में हुए अत्याचारों का हिसाब अब तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि 1984 के दंगों की दर्दनाक यादें आज भी सिख समुदाय के लोगों के मन में मौजूद हैं। उस दौरान निर्दोष लोगों को निशाना बनाया गया था और कई परिवारों ने अपनों को खोया था। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि दंगों से जुड़े कई मामलों में अब भी कानूनी कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि जब भी गांधी परिवार का कोई सदस्य पंजाब जाता है, तब वहां के लोगों को उन भयावह घटनाओं की याद आ जाती है।

हुसैन ने राहुल गांधी पर देश में अराजकता फैलाने



की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार है और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। जनता ने उन्हें जनादेश दिया है और भाजपा को भरोसा है कि 2029 के लोकसभा चुनाव में भी पार्टी जीत हासिल करेगी।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा रखना चाहिए। चुनाव के जरिए ही सत्ता परिवर्तन होता है और विपक्ष को अपनी बात जनता के सामने रखनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने राहुल गांधी के बयानों को लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ बताते हुए कहा कि देश की जनता ऐसे राजनीतिक रवैये को स्वीकार नहीं करेगी।

गोवर्धन पूजा : गौ-सेवा, प्रकृति संरक्षण और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का संकल्प

प्रधानमंत्री मोदी के विजन को साकार कर रहा मध्यप्रदेश, गौ-संवर्धन और प्राकृतिक खेती के नए मॉडल बन रहे विकास के आधार : राजेन्द्र शुक्ल



प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

गोवर्धन पूजा हमारी सनातन संस्कृति का ऐसा पावन पर्व है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, गौ-माता के प्रति श्रद्धा और समस्त जीव-जगत के संरक्षण का संदेश देता है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत धारण करने की लीला हमें सिखाती है कि प्रकृति, पर्वत, जल, वनस्पति और गौवंश का संरक्षण मानव जीवन के अस्तित्व और समृद्धि के लिए अनिवार्य है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व और समाज के सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। भारत की संस्कृति में गौ-माता को विशेष स्थान प्राप्त है। हमारी कृषि व्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पोषण, पर्यावरण और सामाजिक जीवन में गौवंश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज देश अपनी इसी समृद्ध परंपरा को आधुनिक विकास की अवधारणा के साथ जोड़कर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी का विजन है कि गांव आत्मनिर्भर बनें, किसान समृद्ध हों, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हो और अपशिष्ट भी आर्थिक संपदा में परिवर्तित हो। गौ-संवर्धन, प्राकृतिक खेती, जैविक खाद और गोबर से स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन इसी व्यापक दृष्टिकोण के महत्वपूर्ण आयाम हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ की गई प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने की पहल और गोबर-धन जैसी योजनाएं इस सोच को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान कर रही हैं। गोबर-धन के माध्यम से गोबर एवं अन्य जैविक अपशिष्ट से बायोगैस और कम्प्रेस्ड बायोगैस उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे स्वच्छ ऊर्जा के साथ जैविक खाद का उत्पादन, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और किसानों के लिए आय के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। अगस्त 2026 में केंद्र सरकार द्वारा 23,731 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली राष्ट्रीय सर्कुलर बायोएनर्जी योजना को स्वीकृति दिया जाना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रधानमंत्री जी के वेस्ट-टू-वेल्थ और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और गति प्रदान करेगा। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार गौ-संरक्षण एवं संवर्धन को जनभागीदारी और आर्थिक स्वावलंबन से जोड़कर आगे बढ़ा रही है। प्रदेश में वर्ष 2024-25 को गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया गया। गौशालाओं को मिलने वाली सहायता राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति गौवंश प्रतिदिन की गई है। गौवंश के भरण-पोषण के लिए बजट में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। पंजीकृत एवं संचालित गौशालाओं को डीबीटी के माध्यम से सीधे अनुदान राशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे गौवंश के लिए चारा, आहार, देखभाल और आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा सके। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि गौशालाएं केवल निराश्रित गौवंश को आश्रय देने तक सीमित न रहें, बल्कि वे आत्मनिर्भरता और ग्रामीण रोजगार के केंद्र भी बनें। गोबर से जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट, गो-काष्ठ, उपले तथा अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार करने से गौशालाओं की आय बढ़ सकती है। गोबर और गोमूत्र आधारित प्राकृतिक खेती से खेती की लागत कम करने, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के अवसर उपलब्ध होते हैं।

इस प्रकार गौ-संवर्धन किसान, पशुपालक, महिला स्व-सहायता समूह और ग्रामीण उद्यमियों के आर्थिक सशक्तीकरण का माध्यम बन सकता है। विंध्य की धरती पर गौ-संरक्षण और प्राकृतिक खेती के इसी समन्वित दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण बसामन मामा गोवंश वन्य विहार, रीवा है। यह केवल गौवंश के आश्रय का केंद्र नहीं, बल्कि गौ-सेवा, पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और प्राकृतिक खेती का एक विकसित होता मॉडल है। लगभग एक हजार एकड़ वन क्षेत्र से घिरे इस परिसर में निराश्रित गौवंश के संरक्षण के साथ प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। यहां गोबर और गोमूत्र से जैविक खाद तथा अन्य उत्पाद तैयार करने की संभावनाओं को विकसित किया जा रहा है। गौवंश आधारित प्राकृतिक खेती का यह प्रयोग छोटे और सीमांत किसानों के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित हो सकता है। गत 25 दिसंबर 2025 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी का रीवा स्थित बसामन मामा गोवंश वन्य विहार में आगमन हमारे लिए विशेष गौरव का विषय रहा। केंद्रीय मंत्री श्री शाह जी ने गौवंश वन्य विहार का अवलोकन किया तथा गौ-संरक्षण और प्राकृतिक खेती के प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने बसामन मामा गोवंश वन्य विहार को प्राकृतिक खेती के माध्यम से छोटे और सीमांत किसानों को समृद्ध बनाने का सफल प्रयोग बताया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से किसानों की आय बढ़ेगी, पानी का संरक्षण होगा और लोगों को अनेक प्रकार की बीमारियों से बचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने पारंपरिक कृषि पद्धतियों को अपनाने और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का आह्वान भी किया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह का यह वक्तव्य हमारे लिए मार्गदर्शक है। बसामन मामा में विकसित हो रहा मॉडल यह प्रमाणित करता है कि गौवंश का संरक्षण और किसानों की आर्थिक समृद्धि एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं। इस क्षेत्र को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के ऐसे मॉडल के रूप में विकसित करने का प्रयास है, जहां गौशाला से प्राप्त संसाधनों का उपयोग कृषि, उद्यानिकी, जैविक खाद और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने में किया जा सके। रीवा में ही हिनौती गौधाम वन्य विहार को आदर्श गौ-अभयारण्य के रूप में विकसित करने की योजना भी इसी सोच का विस्तार है। यहां 15 हजार से अधिक गौवंश को आश्रय देने की परिकल्पना की गई है। प्रारंभिक चरण में तीन हजार गौवंश के लिए व्यवस्थाएं विकसित करने तथा आगे चलकर गौधाम को कौशल प्रशिक्षण, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वरोजगार से जोड़ने की योजना है। गोबर गैस संयंत्र और धान के पैरे से ऊर्जा उत्पादन जैसे प्रकल्प भी इस पहल को पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ते हैं। हिनौती गौधाम भविष्य में गौ-संरक्षण और स्थानीय रोजगार का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है। रीवा की ऐतिहासिक लक्ष्मणबाग गौशाला गौ-सेवा और संरक्षण की हमारी परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां गौवंश के संरक्षण, उनके भरण-पोषण तथा गौशाला की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। लक्ष्मणबाग जैसी संस्थाओं का संरक्षण और विकास हमारी सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता को भी मजबूत करता है। मेरा मानना है कि शासन के प्रयासों के साथ समाज, धार्मिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से गौ-संरक्षण का अभियान व्यापक जनआंदोलन बन सकता है। राज्य सरकार का संकल्प है कि मध्यप्रदेश में गौवंश को निराश्रित छोड़ने की समस्या का स्थायी समाधान हो। इसके लिए गौशालाओं की क्षमता बढ़ाने, चारे की उपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं, बेहतर प्रबंधन और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही गौपालन को किसानों की अतिरिक्त आय का माध्यम बनाने, नस्ल सुधार, दुग्ध उत्पादन और पशुपालन आधारित स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। गोवर्धन पूजा हमें यह स्मरण कराती है कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता भी है। गौ-माता की सेवा, गौवंश का संरक्षण, प्राकृतिक खेती और जैविक संसाधनों का सदुपयोग हमारे भविष्य को सुरक्षित बनाने के महत्वपूर्ण आधार हैं। आइए, इस पावन अवसर पर हम सभी गौ-सेवा, गौ-संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और प्राकृतिक खेती को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लें। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विजन तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को गौ-संवर्धन, प्राकृतिक खेती और ग्रामीण आत्मनिर्भरता का अग्रणी केंद्र बनाने के लिए हम सभी मिलकर कार्य करें। गौ-सेवा में संस्कृति का संरक्षण है, प्रकृति के सम्मान में मानवता का कल्याण है और आत्मनिर्भर गांवों में विकसित भारत का भविष्य है।

सभी प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं।

(लेखक मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं)

'सुनें सबकी, करें वहीं जो सही हो' के मूलमंत्र के साथ डीजीपी कैलाश मकवाणा ने नवनियुक्त एसपी बालाघाट मलय जैन को दी शुभकामनाएं

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

पुलिस मुख्यालय में पदस्थ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एसओ टू डीजीपी मलय जैन को पुलिस अधीक्षक, बालाघाट के पद पर नई जिम्मेदारी मिलने पर पुलिस मुख्यालय में विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने जैन को पुष्पमाला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा बालाघाट में नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि दिसंबर 2024 में स्टाफ ऑफिसर के रूप में मलय जैन का चयन करते समय उनके ईमानदार, कर्मठ एवं विवादरहित कार्य व्यवहार को प्राथमिकता दी गई थी। उन्होंने स्टाफ ऑफिसर के रूप में जनसुनवाई के आवेदनों की नियमित निगरानी एवं ट्रैकिंग तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को तत्काल पुरस्कृत करने की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित किया। डीजीपी मकवाणा ने अपने पूर्व अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह जिला पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्र रहा है। लगभग 32 वर्ष पूर्व वहां संचार सुविधाओं का अभाव, घने जंगलों में लंबी पैदल गश्त तथा बारूदी सुरंगों जैसे गंभीर खतरों के बीच पुलिस बल को कार्य करना पड़ता था। उस दौर में पुलिसकर्मियों ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि पुलिस बल के सतत प्रयासों से आज बालाघाट में नक्सली समस्या समाप्त हुई है। ऐसे में जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में पुलिस बल का मनोबल बनाए रखना, सतर्कता कायम रखना और उपलब्धियों को निरंतर बनाए रखना महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक मलय जैन को मार्गदर्शन देते हुए डीजीपी मकवाणा ने कहा कि 'सुनें सबकी, करें वही जो सही' हो।



शहरी स्वास्थ्य संस्थानों में 164 नवीन संविदा चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति

संजीवनी क्लीनिक में चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ने से नागरिकों को घर के नजदीक मिलेंगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं सुलभ बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा शहरी स्वास्थ्य संस्थानों (संजीवनी क्लीनिक) में 164 नवीन संविदा चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। नवीन चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति से शहरी स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इससे नागरिकों को अपने घर के नजदीक ही समय पर चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार की सुविधा मिलेगी। साथ ही, सामान्य बीमारियों के उपचार के लिए मरीजों को दूरस्थ स्वास्थ्य संस्थानों तक जाने की आवश्यकता भी कम होगी। इससे शहरी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही गर्भवती माताओं का समय पर पंजीयन, गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की स्क्रीनिंग तथा प्रारंभिक स्तर पर बीमारियों की पहचान एवं उपचार को बढ़ावा मिलेगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए कार्यालय मंदिर के समान होते है : हेमंत खण्डेलवाल

जिला कार्यालय के लोकार्पण से संगठन को मिलेगी नई ऊर्जा और ताकत : डॉ. मोहन यादव

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल, मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर एवं प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने शुक्रवार को मुरैना स्थित भाजपा संभागीय कार्यालय का लोकार्पण कर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने नवनिर्मित कार्यालय का अवलोकन किया तथा यहां उपलब्ध आधुनिक व्यवस्थाओं, सुविधाओं और तकनीकी संसाधनों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ता निर्माण की वास्तविक शुरुआत पार्टी कार्यालय से होती है। राजनीतिक दल के रूप में सरकार बनाना और संगठन का विस्तार करना महत्वपूर्ण है, लेकिन कार्यकर्ता को गढ़ने, उसकी विचारधारा को मजबूत करने और संगठन के प्रति उसके समर्पण को दिशा देने में पार्टी कार्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मुरैना में जिला कार्यालय का निर्माण संगठन को नई ऊर्जा, ताकत और दिशा प्रदान करेगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि विशाल कार्यालय संगठन की दूरदर्शिता और कार्यकर्ताओं के परिश्रम का परिणाम है। पार्टी कार्यालय कार्यकर्ताओं के लिए मंदिर के समान होते हैं। भाजपा देश का एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है,



जो नेताओं के घरों से नहीं, बल्कि पार्टी कार्यालयों से संचालित होता है। भाजपा किसी व्यक्ति अथवा परिवार पर आधारित पार्टी नहीं, बल्कि विचारधारा, संगठन और समर्पित कार्यकर्ताओं के बल पर चलने वाला राजनीतिक संगठन है। यही विशेषता भाजपा को अन्य राजनीतिक दलों से अलग और विशिष्ट बनाती है। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनकर एक विशाल वटवृक्ष का स्वरूप ले चुकी है। भाजपा के वटवृक्ष की छाया में आने के लिए दुनिया भर के लोग लालायित है। प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी विशेषता उसका कार्यकर्ता आधारित संगठन है। भाजपा में पद से अधिक महत्वपूर्ण दायित्व और व्यक्ति से अधिक महत्वपूर्ण संगठन की विचारधारा है। मुरैना के भव्य एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त जिला कार्यालय की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यहां की व्यवस्थाएं देखकर मन आनंदित हो गया। कार्यालय में उपलब्ध आधुनिक तकनीक और स्क्रीन के माध्यम से दिखाई गई व्यवस्थाएं संगठन की बदलती कार्यशैली और तकनीकी क्षमता का परिचायक हैं। पार्टी कार्यालय में आने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता के मन में यह विश्वास होना चाहिए कि वह अपनी समस्या लेकर आया है तो उसका समाधान अवश्य होगा। कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं, विश्वास और उत्साह के अनुरूप कार्यालय में आवश्यक व्यवस्थाएं होना जरूरी है। किसी भी संगठन का कार्यालय केवल एक भवन नहीं होता, बल्कि वह कार्यकर्ताओं की भावनाओं, संकल्पों और संगठनात्मक ऊर्जा का सशक्त केंद्र होता है। एक कार्यकर्ता के लिए पार्टी कार्यालय का निर्माण उतना ही सुखद, आत्मीय और गौरवपूर्ण होता है।

प्रदेश में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो, मध्यप्रदेश निरंतर आगे बढ़े : डॉ. मोहन यादव

प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि की दीपमालाएं सदैव प्रज्जवलित रहें : खण्डेलवाल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर एवं उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने गुरुवार को धनतेरस के पावन अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर प्रदेशवासियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं के सुख, स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए धनतेरस एवं दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पहला सुख निरोगी काया माना गया है और स्वस्थ शरीर ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आयुष विभाग के माध्यम से आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था के साथ जोड़कर भारतीय चिकित्सा परंपरा को नई पहचान



और सम्मान मिला है। धनतेरस एवं भगवान धन्वंतरि जयंती का अवसर हमें प्रकृति, आयुर्वेद और स्वस्थ जीवनशैली से जुड़ने का संदेश देता है। उन्होंने कामना की कि भगवान धन्वंतरि एवं माता लक्ष्मी की कृपा प्रदेश के प्रत्येक नागरिक पर बनी रहे। प्रदेश में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो तथा मध्यप्रदेश विकास और प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़े। उन्होंने मुरैना में भारतीय जनता पार्टी के नवीन कार्यालय के लोकार्पण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर एवं मंत्री ऐदल सिंह कंसाना के क्षेत्र मुरैना के कार्यकर्ताओं को यह महत्वपूर्ण सौगात मिल रही है। उन्होंने मुरैना के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि नवीन कार्यालय संगठनात्मक गतिविधियों और जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का केंद्र बनेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि आज हम सभी ने प्रदेश कार्यालय में धनतेरस का पूजन कर प्रदेश की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं के जीवन में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की है।

उप मुख्यमंत्री ने झलबदरी तालाब तथा पाथवे का किया लोकार्पण

पर्यावरण और जल संरक्षण से ही मानव जीवन का संरक्षण होगा : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नगर निगम के वार्ड क्रमांक 9 में झलबदरी तालाब के उन्नयन तथा सौंदर्यीकरण कार्य एवं पाथवे निर्माण का लोकार्पण किया। इसका निर्माण नगर निगम द्वारा अमृत-2 योजना से 206.80 लाख रुपए की लागत से किया गया है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक झलबदरी तालाब के निर्माण और सौंदर्यीकरण का कार्य डोंगरा हनुमान जी की कृपा से पूरा हो गया है। यहाँ सुंदर पाथवे में घूमने वालों को एक ओर जल और दूसरी ओर सघन वन की हरियाली मिल रही है। वृक्ष धरती का श्रृंगार और जीवों के लिए आक्सीजन का मुख्य स्रोत हैं। पर्यावरण और जल संरक्षण से ही मानव जीवन का संरक्षण होगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि



झलबदरी तालाब का निर्माण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अमृत-2 योजना से हुआ है। बाईपास निर्माण के लिए तालाब की मिट्टी का उपयोग करने से इसका गहरीकरण हो गया। अब इसमें पर्याप्त पानी उपलब्ध है। इस तालाब का सर्वाधिक लाभ विश्वविद्यालय तथा उसकी कालोनी के निवासियों को मिलेगा। विश्वविद्यालय ने जमीन देकर तालाब निर्माण और फिल्टर प्लांट निर्माण में सराहनीय योगदान दिया है। झलबदरी तालाब की ही तरह कुबेर तालाब और चोरहटा के रानी तालाब का भी विकास और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। रीवा में वर्तमान में कई निर्माण कार्य चलने के कारण चारों ओर धूल रहती है। सड़कों के निर्माण तथा सुधार का कार्य आयुक्त नगर निगम शीघ्र पूरा कराएं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृत-2 योजना से रीवा की पेयजल समस्या पूरी तरह से दूर हो जाएगी। समारोह में अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय ने कहा कि तालाब के निर्माण में कई बाधाएं आई।

प्रदेश सरकार का राज्य आनंद संस्थान चला रहा 'हर घर दिवाली' अभियान

अपनी आवश्यकता से अधिक वस्तुएं जरूरतमंदों को देकर बांटें दीपावली पर्व की खुशियां

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

दीपावली के पर्व पर प्रत्येक जरूरतमंद परिवारों के घरों में भी खुशियों का उजाला पहुंचे, इसके लिए प्रदेश सरकार के आनंद विभाग अंतर्गत राज्य आनंद संस्थान द्वारा इस वर्ष भी 'हर घर दिवाली' अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से नागरिकों को अपनी आवश्यकता से अधिक उपलब्ध उपयोगी वस्तुएं जरूरतमंद परिवारों के साथ साझा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान का मूल उद्देश्य समाज में सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को प्रोत्साहित करना है। राज्य आनंद संस्थान अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से 'मदद% की अवधारणा को बढ़ावा देता रहा है। इसके अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरित किया जाता है कि वह अपनी आवश्यकता से अधिक उपलब्ध वस्तुओं को ऐसे लोगों के साथ साझा करें, जिन्हें उनकी आवश्यकता है। अभियान के अंतर्गत लोगों से अपील की जा रही है कि वे अपने घरों, आसपास और परिचितों के बीच उपलब्ध अतिरिक्त एवं उपयोगी वस्तुओं को जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाएं। इनमें नए अथवा अच्छी स्थिति के कपड़े, बच्चों की सामग्री, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, दीपक, सजावट की सामग्री, खाद्य सामग्री तथा अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। विशेष रूप से शहरों की संसाधन-विहीन बस्तियों में रहने वाले परिवारों तक सहयोग पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य आनंद संस्थान द्वारा यह पहल वर्ष 2020 से निरंतर संचालित की जा रही है। इस वर्ष भी संस्थान से जुड़े आनंदक, मास्टर ट्रेनर, डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर, जिला संपर्क व्यक्ति, सहयोगी तथा आनंद क्लब के पदाधिकारी सामूहिक एवं व्यक्तिगत स्तर पर लोगों से संपर्क कर इस अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप देंगे। वे अपने



आसपास ऐसे परिवारों को चिह्नित कर सकते हैं, जिन्हें दीपावली के अवसर पर सहयोग की आवश्यकता है और स्थानीय स्तर पर सहयोग की व्यवस्था कर सकते हैं। संस्थान के निदेशक श्री सत्य प्रकाश आर्य ने कहा कि दीपावली केवल अपने घर को रोशन करने का पर्व नहीं है, बल्कि किसी दूसरे के जीवन में भी खुशियों का उजाला लाने का अवसर है। हमारे घरों में अनेक ऐसी वस्तुएं उपलब्ध होती हैं, जिनकी हमें आवश्यकता नहीं रह गई है, लेकिन वे किसी अन्य परिवार के लिए उपयोगी और महत्वपूर्ण हो सकती हैं। यदि हम अपनी आवश्यकता से अधिक वस्तुओं को जरूरतमंदों के साथ साझा करें, तो उनके घर में भी दीपावली का उत्साह और उल्लास पहुंचा सकते हैं। 'हर घर दिवाली% अभियान इसी मानवीय संवेदना और सामाजिक सहभागिता का प्रयास है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस दीपावली पर अपनी खुशियों में दूसरों को भी सहभागी बनाएं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए आगे आएं। यह अभियान केवल वस्तुओं के वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में परस्पर सहयोग, संवेदनशीलता और साझा खुशियों की संस्कृति विकसित करने का माध्यम भी है। किसी जरूरतमंद परिवार को उपयोगी वस्तु उपलब्ध कराना, उसके चेहरे पर मुस्कान लाना और उसकी दीपावली को बेहतर बनाना स्वयं में आनंद की अनुभूति है। उन्होंने कहा कि आइए, इस दीपावली संकल्प लें कि हमारे आसपास कोई घर खुशियों से वंचित न रहे। अपनी आवश्यकता से अधिक वस्तुएं साझा करें और 'हर घर दिवाली अभियान के माध्यम से दूसरों की दीपावली भी रोशन बनाएं। यही है आनंद बांटने का सच्चा उत्सव।

रोटियां बनते ही हो जाती हैं सख्त? इस तरह गूंथे आटा, लंबे समय तक रहेंगी नरम



खाने में हमें पसंद आने वाली चपातियां कुछ देर बाद सख्त और रबड़ जैसी हो जाती हैं? इसका कारण आटा गूंथने से लेकर तवे पर तलने तक की हमारी छोटी-छोटी गलतियां हैं. आइए जानते हैं इनके बारे में...

हर कोई रात में गरमा गरम, मुलायम चपातियां बनाकर अपनी मनपसंद करी के साथ खाना चाहता है. लेकिन अगर आप बड़ी मेहनत से भी इन्हें बनाने की कोशिश करें, तो तवे से उतारते ही ये रबड़ जैसी सख्त या फिर बिल्कुल गल जाती हैं. दरअसल, चपातियां मुलायम न बनने का कारण सिर्फ आटे की कमी नहीं है. आटे को गूंथने से लेकर तवे पर सेंकने के तरीके तक ऐसी कई छोटी-छोटी गलतियां हैं जो हम अनजाने में कर बैठते हैं.आप कुछ आसान घरेलू नुस्खों को अपनाएं, तो आप हर दिन आसानी से मुलायम और फूली हुई चपातियां बना सकते हैं. चलिए आपको बताते हैं इनके बारे मेंज

आटा मिलाते समय यह गलती न करें

नरम चपातियां बनाने का राज आटे को गूंथने के तरीके में छिपा है. ठंडे या नॉर्मल पानी की जगह गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें. इससे आटे में मौजूद ग्लूटेन प्रोटीन एक्टिव हो जाता है और आटे में अच्छी लोच आ जाती है. पानी थोड़ा-थोड़ा करके डालें, एक साथ पूरा न डालें. आटे को कम से कम 8 से 10 मिनट तक दबाते हुए तब तक गूंथें जब तक वह चिकना न हो जाए. आटा नाखून की तरह नरम होना चाहिए, न ज्यादा सख्त और न ज्यादा फिसलन वाला.

आटा गूंथते ही रोटी बनाने की गलती

बहुत से लोग समय की कमी के कारण आटा गूंथते ही चपाती बनाना शुरू कर देते हैं. यह एक बड़ी गलती है. आटा तैयार होने पर उस पर आधा चम्मच तेल या घी लगाएं. फिर उसे एक हल्के गीले सूती कपड़े से ढककर कम से कम 20 से 30 मिनट के लिए रख दें. इस दौरान आटा नमी सोख लेता है और नरम हो जाता है. इससे चपाती गोल बनती है और पकने पर पूरी की तरह फूल जाती है.

क्या आप बहुत ज्यादा सूखा आटा इस्तेमाल कर रहे हैं?

चपाती को तवे पर चिपकने से बचाने के लिए उस पर बार-बार सूखा आटा लगाया जाता है. बहुत अधिक सूखा आटा लगाने से वह पकते समय सूख जाता है और चपाती की नेचुरल नमी को पूरी तरह सोख लेता है. ऐसे में चपाती सख्त हो जाती है. इसलिए, जितना हो सके कम सूखा आटा इस्तेमाल करें और उसे गोलाकार गति में, किनारों पर समान दबाव डालते हुए मलें.

क्या पैन सही तापमान पर है?

अगर आप चपाती को तवे पर ठीक से गर्म होने से पहले ही रख देंगे, तो वह तवे पर लंबे समय तक चिपकी रहेगी और सख्त हो जाएगी. साथ ही, अगर तवा तेज आंच पर होगा, तो वह अंदर से पकेगी नहीं बल्कि बाहर से जल जाएगी. तवे को मीडियम से तेज आंच पर सही तापमान पर गर्म करना चाहिए. चपाती डालने के बाद, जब छोटे-छोटे बुलबुले दिखाई देने लगें, तो उसे पलट दें और दोनों तरफ हल्के भूरे रंग के धब्बे आने तक ही पकाएं. उसे बार-बार न पलटें.

नमी को कैसे बनाए रखें

अगर आप चपातियों को पकाने के तुरंत बाद खुली प्लेट पर छोड़ देंगे, तो वे सूखकर सख्त हो जाएंगी. अगर आप उन्हें पकाने के तुरंत बाद सूती कपड़े से ढक देंगे, तो भाप नमी को बनाए रखेगी और चपातियां घंटों तक नरम और फूली हुई रहेंगी. इन छोटे-छोटे बदलावों को अपनाकर आप चपातियां बनाना बेहद आसान बना लेंगे.

प्रतिभाओं का पलायन और भारत की चुनौती



केवल राष्ट्रवाद का आह्वान युवाओं को देश में रोकने के लिए पर्याप्त नहीं; उन्हें ऐसे विश्वविद्यालय, प्रयोगशालाएं और उद्योग चाहिए, जहां उनकी योग्यता का सम्मान हो, विचारों की स्वतंत्रता मिले और मेहनत का उचित प्रतिफल। भारत की वास्तविक सफलता यह नहीं कि अमेरिकी वीजा के दरवाजे बंद हो जाएं, बल्कि यह कि उनके खुले रहने पर भी युवा देश में रहकर या लौटकर उसके विकास में योगदान देना चाहें। रिसर्च बुक्स पढ़ेंभारत से श्रमिकों और अन्य वर्गों के लोगों का विदेश जाना लगभग दो शताब्दियों पुरानी परिघटना है। ब्रिटिश शासन में बड़ी संख्या में भारतीयों को गिरमिटिया मजदूरों के रूप में मॉरीशस, फिजी और कैरेबियाई देशों में भेजा गया। दक्षिण अफ्रीका और पूर्वी अफ्रीका के केन्या जैसे देशों में भी भारतीय मजदूरों के साथ गुजराती व्यापारी और कारोबारी पहुंचे। इन क्षेत्रों से भारत के व्यापारिक और सांस्कृतिक संपर्क इससे भी पुराने रहे हैं। समय के साथ अनेक देशों में भारतीय मूल के समुदाय विकसित हुए, जो आज वहां की राजनीति, व्यापार और सामाजिक जीवन में प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। कुछ देशों में उनके प्रतिनिधि राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख पदों तक भी पहुंचे हैं। स्वतंत्रता के बाद भी समय-समय पर भारत सरकारों ने श्रमिकों की मांग वाले देशों में उनके जाने को प्रोत्साहित किया।अमेरिका जाने का सपना देखने वाले भारतीय युवाओं के सामने आज विचित्र स्थिति है। जिस देश को वे बेहतर शिक्षा, ऊंचे वेतन, आधुनिक अनुसंधान और उज्ज्वल भविष्य का प्रवेशद्वार मानते हैं, उसी की आव्रजन नीतियां उनके लिए अनिश्चितता बढ़ा रही हैं। वहां काम करने वाले भारतीय पेशेवरों के लिए नौकरी और स्थायी निवास की राह कठिन होती जा रही है।

एच-1बी वीजा अमेरिकी कंपनियों को विशेष योग्यता वाले विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। इसके धारकों में भारतीय आईटी विशेषज्ञों और इंजीनियरों की बड़ी हिस्सेदारी है। अमेरिकी नागरिकों के रोजगार और वेतन की रक्षा का तर्क देते हुए ट्रंप प्रशासन ने नियम कड़े किए और कुछ नई याचिकाओं पर एक लाख डॉलर शुल्क घोषित किया। हालांकि, अदालतों के आदेशों से इसके कार्यान्वयन में बाधा आई।एच-1बी वीजा धारकों की परेशानी भारत यात्रा के दौरान भी बनी रहती है। वापसी के लिए नई वीजा स्टैम्पिंग आवश्यक होने और वाणिज्य दूतावास में नियुक्ति मिलने में देरी के कारण उनकी वापसी अटक सकती है। इससे नौकरी, परिवार और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका रहती है।अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि विदेशी कर्मचारियों को कम वेतन पर नियुक्त करने की प्रवृत्ति रोककर अमेरिकी नागरिकों के रोजगार की रक्षा की जानी चाहिए। लेकिन सभी विदेशी पेशेवरों को सस्ते श्रम की श्रेणी में रखना उचित नहीं है। भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, चिकित्सकों और तकनीकी विशेषज्ञों ने अमेरिकी संस्थानों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कठोर वीजा नीतियां प्रतिभाशाली पेशेवरों को हतोत्साहित कर सकती हैं और दूसरे देशों के लिए उन्हें आकर्षित करने के अवसर बढ़ा सकती हैं।

अमेरिका की समस्याओं को उसकी शक्ति के अंत के रूप में देखना उचित नहीं होगा। अर्थव्यवस्था, सैन्य क्षमता, उच्च शिक्षा और तकनीकी नवाचार उसे अब भी प्रमुख वैश्विक शक्ति बनाए हुए हैं। फिर भी, राजनीतिक ध्रुवीकरण, आय की असमानता, बंदूक हिंसा, महंगी स्वास्थ्य सेवाएं और जर्जर सार्वजनिक ढांचा उसकी कमजोरियां उजागर करते हैं। संबंधित वैश्विक रैंकिंग में अमेरिका स्वास्थ्य में 33वें, बुनियादी ढांचे में 39वें, नागरिक कल्याण में 41वें और प्राकृतिक पर्यावरण में 72वें स्थान पर रहा। 2024 में उसकी जीवन प्रत्याशा 79 वर्ष थी। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि आर्थिक और सैन्य शक्ति बेहतर स्वास्थ्य, पर्यावरण और नागरिक कल्याण की गारंटी नहीं है।भारत में युवा शक्ति और प्रतिभा की कमी नहीं, लेकिन उनके अनुरूप अवसर सीमित हैं। उच्चस्तरीय शिक्षण और शोध संस्थानों की कमी है। निजी क्षेत्र ने निवेश किया है, लेकिन उसके अनेक संस्थानों की फीस आम परिवारों की पहुंच से बाहर है। अमेरिका में शिक्षा ऋण और पढ़ाई के साथ काम करने के अवसर अपेक्षाकृत अधिक हैं, जबकि भारत में इनका दायरा सीमित है। इसके अलावा, नौकरशाही की जटिलताएं भी नए संस्थानों और शोध गतिविधियों के विकास में बाधा बनती हैं। नक्शे देखेंकुछ युवाओं की शिकायत है कि आरक्षण के कारण उन्हें शिक्षा, रोजगार और पदोन्नति में योग्यता के अनुरूप अवसर नहीं मिलते। आरक्षण सामाजिक न्याय और ऐतिहासिक वंचना दूर करने का आवश्यक माध्यम है, लेकिन सभी वर्गों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी नियुक्तियां और योग्यता का उचित मूल्यांकन भी जरूरी है। सामाजिक न्याय और उत्कृष्टता के संतुलन के लिए अवसरों, रोजगार की गुणवत्ता और अनुसंधान के वातावरण का निष्पक्ष आकलन होना चाहिए।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने विदेश में अनुभव प्राप्त प्रतिभाओं को अवसर देकर संस्थान निर्माण को गति दी। प्रोफेसर यशपाल ने 1958 में अमेरिका से पीएचडी प्राप्त की और भारत में वैज्ञानिक अनुसंधान को समृद्ध किया। यू. आर. राव 1966 में भारत लौटे और अंतरिक्ष कार्यक्रम को मजबूत किया। डॉ. अशोक सेठ 1988-89 में तथा डॉ. नरेश त्रेहान 1988 में लौटे और आधुनिक हृदय चिकित्सा के विकास में योगदान दिया। सैम पित्रोदा ने राजीव गांधी के कार्यकाल में दूरसंचार आधुनिकीकरण को गति दी। अमर्त्य सेन 1963 में दिल्ली स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स से जुड़े, जबकि रघुराम राजन 2012 में मुख्य आर्थिक सलाहकार और 2013 में रिजर्व बैंक के गवर्नर बने।मोदी सरकार ने स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों के माध्यम से तकनीकी विकास पर जोर दिया है। लेकिन प्रतिभाओं की वापसी के लिए रामानुजन फेलोशिप (2005-06) और रामालिंग स्वामी री-एंट्री फेलोशिप (2006-07) जैसी पहले से चल रही योजनाएं ही आगे बढ़ाई गई हैं। सरकार की सत्तावादी और बहुसंख्यकवादी प्रवृत्तियां तथा जीवन के लगभग हर क्षेत्र में बढ़ती नौकरशाही विदेशों में बसे भारतीयों को स्वदेश लौटने से हतोत्साहित करती हैं। नक्शे देखें

भारत की समस्या केवल प्रतिभाओं का विदेश जाना नहीं, बल्कि उनके ज्ञान और कौशल का देश में पर्याप्त उपयोग न हो पाना भी है। सफलता का पैमाना यह होना चाहिए कि कितने विश्वस्तरीय शोध समूह विकसित हुए, नई तकनीकें और उत्पाद बने, गुणवत्तापूर्ण रोजगार पैदा हुए और युवाओं को अपनी क्षमता के अनुरूप काम मिला।केवल राष्ट्रवाद का आह्वान युवाओं को देश में रोकने के लिए पर्याप्त नहीं; उन्हें ऐसे विश्वविद्यालय, प्रयोगशालाएं और उद्योग चाहिए, जहां उनकी योग्यता का सम्मान हो, विचारों की स्वतंत्रता मिले और मेहनत का उचित प्रतिफल।भारत की वास्तविक सफलता यह नहीं कि अमेरिकी वीजा के दरवाजे बंद हो जाएं, बल्कि यह कि उनके खुले रहने पर भी युवा देश में रहकर या लौटकर उसके विकास में योगदान देना चाहें। प्रतिभाओं को रोकने का स्थायी उपाय प्रतिबंध नहीं, बल्कि ऐसा भविष्य बनाना है, जिसे छोड़ने की विवशता उन्हें महसूस न हो।

संपादकीय

गरीबी के आंकड़े

विश्व बैंक की निर्धनता एवं समानता संबंधी रिपोर्ट में यह कहा जा रहा है कि वर्ष 2011 से 2023 के बीच देश में करीब पचास करोड़ लोग गरीबी की रेखा से बाहर निकाले गए। इस रिपोर्ट में आगे कहा गया कि अत्यधिक निर्धन वर्ग के लोगों की संख्या में भी करीब पच्चीस फीसदी की कमी आई है। यह संख्या अब घटकर कुल आबादी की 2.6 फीसदी रह गई है। दावा किया जा रहा है कि निम्न मध्यम वर्ग के लोगों की तादाद में भारी कमी आ रही है। निस्संदेह, इन आंकड़ों को लेकर सरकारें अपनी पीठ थपथपा सकती हैं। कहा जा रहा है कि राजग सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की इसमें अहम भूमिका रही। लेकिन सवाल यह है कि ये आंकड़े कितने प्रामाणिक हैं और क्या विज्ञान-सम्मत तरीके से लिये गए हैं? अर्थशास्त्र में आंकड़ों को लेकर एक मशहूर उक्ति है- 'आंकड़े ऐसी कच्ची मिट्टी है, जिससे देवता और दैत्य दोनों बनाए जा सकते हैं।' यानी सरकारें उनका उपयोग अपनी सुविधा के अनुसार कर सकती हैं। हालांकि, गरीबी में कमी की यह शुरुआत संप्रग सरकार के समय के आंकड़ों के साथ की गई है। जिसकी समयावधि वर्ष 2011 से शुरू होती है। राजग सरकारों के कार्यकाल में जरूर अधिक समय को अध्ययन में शामिल किया गया है। जिसमें निर्धनता की आई कमी के कारणों में खपत में वृद्धि, रोजगार और खासकर महिलाओं के रोजगार में वृद्धि, सामाजिक कल्याण योजनाओं तथा खाद्य सब्सिडी जैसे कार्यक्रम को शामिल किया गया है। लंबे समय से देश राजनेताओं के गरीबी हटाओ के नारों व कार्यक्रमों का साक्षी रहा है। लेकिन उन कार्यक्रमों की सफलता इस बात पर निर्भर होती है कि गरीब कल्याण की योजनाओं का कितने कारगर ढंग से क्रियान्वयन हुआ। कितनी ईमानदारी से गरीब के हाथ में कल्याण योजनाओं की राशि पहुंची। बहरहाल, राजग सरकार का दावा है कि गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों को इससे बाहर निकालने में जन-धन योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना,घर-घर शौचालय, घर-घर नल व आयुष्मान योजना की बड़ी भूमिका रही है।एक समय था कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि लोककल्याण के कार्य हेतु आवंटित हुए एक रुपये में से सिर्फ पंद्रह प्रतिशत ही जरूरतमंद के हाथ में पहुंचता है। हालांकि, न खाऊंगा और न खाने दूंगा के उद्घोष के बाद वास्तविक स्थिति में क्या बदलाव आया, यह अध्ययन का विषय होना चाहिए। हालांकि, विपक्षी नेता इस स्थिति के बावजूद मुफ्त खाद्यान्न वितरण कार्यक्रम की जरूरत को लेकर भी सवाल उठाते हैं। यह सुखद है कि देश में कुछ जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को अपना जीवन स्तर सुधारने का अवसर मिला। लेकिन देश में अक्सर यह सवाल उठाया जाता रहा है कि जब भारत दुनिया में सबसे तेज गति से विकसित होती अर्थव्यवस्था है, तो लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव क्यों नहीं आता? क्यों देश में अमीरी-गरीबी की खाई लगातार बढ़ती जा रही है? सही मायने में किसी देश में होने वाला विकास न केवल तर्कसंगत होना चाहिए, बल्कि न्यायसंगत भी होना चाहिए। वैसे यदि वास्तव में आंकड़ों के अनुसार देश में गरीबी में कमी आई है तो यह हमारे लिये उत्साहजनक स्थिति है। यह जानते हुए कि इस अवधि में हमने कोरोना का भयावह काला दौर देखा था। भारी संख्या में जनधन की हानि हुई, लेकिन अब ये अतीत की बातें बन चुकी हैं। बहरहाल, विश्व बैंक के आंकड़ों के आलोक में केंद्र सरकार को देश में गुणवत्ता वाले रोजगार के अवसरों में तुरंत वृद्धि करनी चाहिए। उसे महसूस करना चाहिए कि देश में युवा सड़कों पर क्यों हैं। उसके लिये अवसरों की कमी क्यों हो रही है? देश में आय की असमानता कैसे दूर होगी? निस्संदेह, भारत एक श्रमप्रधान देश है। देश की बड़ी आबादी सघन श्रमशक्ति वाले उद्योगों से जुड़ी है। ऐसे में जब पश्चिमी देशों में एआई केंद्रित उत्पादकता पर बल दिया जा रहा है,

यूरोप में एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए युवाओं का विद्रोह



जिस पीढ़ी से कहा गया कि वे पढ़ाई करें, कड़ी मेहनत करें और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालें, वह पीढ़ी अब वाजिब सवाल पूछ रही है कि इस समझौते का क्या फायदा, जब एक सुरक्षित घर मिलना मुश्किल हो, सार्वजनिक सेवाएं चरमरा रही हों, और वेतन जीवन-यापन की लागत के मुकाबले बहुत कम हो? यह गुस्सा इसलिए और भी भड़क सकता है क्योंकि इसमें आर्थिक तंगी के साथ-साथ राजनीतिक रूप से खुद को असहाय महसूस करने की भावना भी शामिल है।यूरोप में चल रहे विरोध-प्रदर्शन सिर्फ युवाओं का विद्रोह नहीं हैं, और न ही यह कोई एक संगठित आंदोलन है। यह इस बात को लेकर एक व्यापक संघर्ष है कि किसे सुरक्षा और अवसर मिलेगा और किस पर राजनीतिक ध्यान होगा। फ्रांस और जर्मनी से लेकर सर्बिया तक, युवा प्रदर्शनकारी अपने से बड़ी उम्र के साथियों के साथ मिलकर एक साझा डर के खिलाफ खड़े हैं- उन्हें डर है कि एक अच्छे भविष्य के वादे अब उनसे दूर होते जा रहे हैं। सामाजिक कार्य से जुड़ेंइसके तात्कालिक कारण अलग-अलग हैं। फ्रांस में, स्कूलों की अनदेखी, शिक्षकों की कमी और उच्च शिक्षा तक समान पहुंच न होने को लेकर छात्रों का गुस्सा, जीवन-यापन की बढ़ती लागत और सरकार की कार्यशैली से उपजी व्यापक निराशा के साथ जुड़ गया है। जर्मनी में, युवाओं ने बेहतर फंड वाले स्कूलों, आवास, सामाजिक सेवाओं और जलवायु संबंधी कदमों की मांग को लेकर प्रदर्शन किया है साथ ही वे अनिवार्य सैन्य सेवा को फिर से लागू करने का विरोध कर रहे हैं। पुर्तगाल और स्पेन में, आवास का महंगा होना और लोगों का बेघर होना एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। सर्बिया में, छात्रों का आंदोलन एक अलग ही रास्ते पर चला गया, और बुनियादी ढांचे की एक घातक विफलता के कारण शुरू हुआ विरोध-प्रदर्शन, अंतत- सत्ताधारी पार्टी के लिए एक चुनावी चुनौती बन गया। सामाजिक कार्य से जुड़ें

प्रतिभाओं का पलायन और भारत की चुनौती

कारण भले ही अलग-अलग हों, लेकिन एक स्पष्ट पैटर्न दिखाई देता है। युवाओं को लग रहा है कि एक वयस्क जीवन बनाने की लागत, उनके इस भरोसे से कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रही है कि काम, शिक्षा या राजनीति में भागीदारी से उन्हें स्थिरता मिलेगी। आवास का मुद्दा सबसे बड़ा दबाव है- अगर किफायती किराया न हो, तो आत्मनिर्भर होने में देरी होती है। बिना एक सुरक्षित घर के, परिवार बसाने, कॅरियर बनाने या काम के लिए कहीं और जाने की योजना बनाना मुश्किल हो जाता है। स्कूलों और विश्वविद्यालयों को पर्याप्त फंड न मिलने से युवाओं में यह भावना और गहरी हो जाती है कि सार्वजनिक संस्थान उनसे धैर्य रखने की उम्मीद तो करते हैं, लेकिन उन्हें वे जरूरी साधन नहीं दे पाते जिनकी उन्हें जरूरत है।ये शिकायतें सिर्फ सुख-सुविधाओं की कमी के बारे में नहीं हैं, बल्कि ये नागरिकता की शर्तों से जुड़ी हैं। जिस पीढ़ी से कहा गया कि वे पढ़ाई करें, कड़ी मेहनत करें और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालें, वह पीढ़ी अब वाजिब सवाल पूछ रही है कि इस समझौते का क्या फायदा, जब एक सुरक्षित घर मिलना मुश्किल हो, सार्वजनिक सेवाएं चरमरा रही हों, और वेतन जीवन-यापन की लागत के मुकाबले बहुत कम हो? यह गुस्सा इसलिए और भी भड़क सकता है क्योंकि इसमें आर्थिक तंगी के साथ-साथ राजनीतिक रूप से खुद को असहाय महसूस करने की भावना भी शामिल है।इस भावना का संबंध एक पूरी पीढ़ी से है, लेकिन ये विरोध-प्रदर्शन केवल युवाओं और बुजुर्गों के बीच की कोई साधारण लड़ाई नहीं हैं। बढ़ती उम्र की आबादी और पेंशन की जिम्मेदारियां सरकारी बजट पर दबाव डालती हैं, जबकि युवाओं को लग सकता है कि उनकी जरूरतों - जैसे स्कूल, आवास, रोजगार और जलवायु नीति - पर बहुत कम ध्यान दिया जा रहा है। फिर भी, कुछ प्रदर्शनों में बुजुर्ग लोग भी शामिल हुए हैं। एक बुजुर्ग प्रदर्शनकारी के पोस्टर पर लिखा था, %बुजुर्ग भी तंग आ चुके हैं% - यह संदेश पीढ़ियों के बीच दोषारोपण करने के बजाय, उनके बीच एकजुटता की संभावना को बेहतर ढंग से दर्शाता है। सामाजिक कार्य से जुड़ेंयह फर्क समझना जरूरी है। अगर इस असंतोष को सिर्फ अलग-अलग उम्र के समूहों के बीच की लड़ाई के रूप में देखा जाए, तो सरकारें एक कठिन सवाल से बच सकती हैं- सीमित संसाधनों और राजनीतिक प्रभाव का बंटवारा कैसे हो रहा है? आवास का महंगा होना, वेतन में कम बढ़ोतरी या स्कूलों की खस्ता हालत के लिए पेंशनभोगी जिम्मेदार नहीं हैं। न ही युवा ऐसा भविष्य चाहते हैं जो बुजुर्गों की कीमत पर बने। बेहतर नजरिया यह होगा कि अलग-अलग पीढ़ियां मिलकर एक ऐसा गठबंधन बनाएं, जो सरकारी नीतियों से जीवन भर के लिए सुरक्षा की मांग करे।फ्रांस इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है कि कैसे एक सीमित विरोध-प्रदर्शन व्यापक रूप ले सकता है। स्कूलों की हालत को लेकर शुरू हुआ छात्रों का प्रदर्शन एक बड़े असंतोष का मंच बन गया, जिसमें मजदूर संगठन और बढ़ती महंगाई से परेशान लोग भी शामिल हो गए। कुछ लोगों द्वारा की गई हिंसा को पूरे आंदोलन का चरित्र नहीं माना जाना चाहिए; लेकिन साथ ही, इसे नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब इससे जनसमर्थन को खतरा हो या प्रशासन को विरोध-प्रदर्शनों पर पाबंदी लगाने का बहाना मिल जाए। सामाजिक कार्य से जुड़ें

विरोध करने का अधिकार कोई मामूली बात नहीं है, बल्कि यह खुद राजनीतिक संघर्ष का एक हिस्सा है। जब प्रशासन प्रदर्शनों के रास्ते बदल देता है, पाबंदियां लगाता है या भीड़ पर बल प्रयोग करता है, तो हो सकता है कि वह कुछ समय के लिए अव्यवस्था को रोक दे, लेकिन इससे युवाओं के मन में यह धारणा और गहरी हो जाती है कि उनकी बात तभी सुनी जाती है, जब उन्हें नजरअंदाज करना नामुमकिन हो जाए।

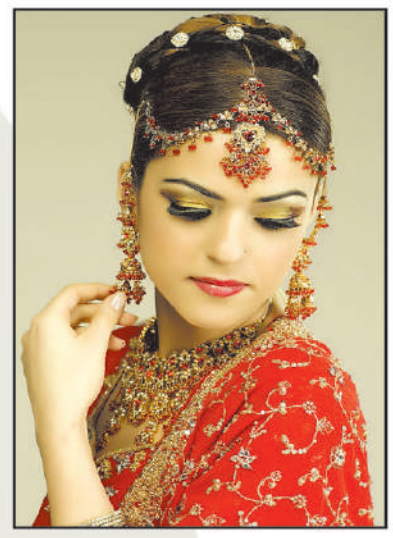
अलग-अलग देशों में हो रहे इन विरोध-प्रदर्शनों को जोड़ने वाली कोई एक केंद्रीय कमान, घोषणापत्र या राजनीतिक विचारधारा नहीं है। यह प्रसार है- तस्वीरें, नारे और रणनीतियां एक जगह से दूसरी जगह पहुंचती हैं, और एक देश के प्रदर्शन अन्य जगहों के युवाओं को यह विश्वास दिला सकते हैं कि सार्वजनिक कार्रवाई संभव है। सोशल मीडिया इस प्रक्रिया को तेज़ कर देता है, लेकिन समान परिस्थितियां इसे और मज़बूत बनाती हैं। जैसा कि एक विश्लेषक ने बताया, यह संबंध %समन्वय के बजाय प्रसार' जैसा है- ये राष्ट्रीय आंदोलन स्थानीय मांगों को बनाए रखते हुए दूसरी जगहों से प्रेरणा लेते हैं।सर्बिया से पता चलता है कि जब विरोध-प्रदर्शन की लहर सड़कों से निकलकर मुख्यधारा की राजनीति में पहुंचती है, तो क्या हो सकता है। अक्टूबर 2026 में छात्रों के समर्थन वाली सूची ने संसदीय चुनाव जीत लिया, जिससे अलेक्जेंडर वुसिक की पार्टी का लंबा शासन खत्म हो गया। यह जीत काफी अहम है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सिर्फ विरोध-प्रदर्शन के दम पर ही अच्छी सरकार चलाई जा सकती है।

इस नई राजनीतिक ताकत को अभी सरकार बनानी है, अपने गठबंधन को बचाए रखना है और जवाबदेही की मांगों को स्थायी संस्थाओं में बदलना है।यहीं पर क्या यह दुनिया की तस्वीर बदल देगा?% जैसे सवाल का एक संतुलित जवाब देने की जरूरत है। अगर ये विरोध-प्रदर्शन सिर्फ असंतोष को सामने लाने से कहीं आगे बढ़ें-यानी संगठन बनाएं, व्यापक गठबंधन कायम रखें, ठोस नीतिगत बदलाव हासिल करें और भीड़ के घर चले जाने के बाद भी जवाबदेही सुनिश्चित करें-तो ये राजनीति की दिशा बदल सकते हैं। पूरे यूरोप में, शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी राजनीतिक दलों को उन प्राथमिकताओं पर ध्यान देने के लिए मजबूर कर सकते हैं, जिन्हें वे वरना नजरअंदाज कर देते।



दुल्हन सजे वैस्टर्न और इंडियन लुक में

यदि किसी लड़की को संस्कृति, परंपरा और संस्कारों की जीती-जागती तस्वीर के रूप में देखना हो तो वे पल उसकी शादी के होते हैं। यही वे पल हैं, जो उसका रूप निखारते हैं। आज की दुल्हन वैस्टर्न और इंडियन लुक के बैलेंस में स्वयं को संवारना चाहती है। पारंपरिक साड़ी और लहंगे को हर बार नए अंदाज में प्रस्तुत कर उसकी इस ख्वाहिश को पूरा करते हैं डिजाइनर्स, यही कारण है कि आऊटफिट तैयार करते हुए दुल्हन के कांप्लैक्शन और फिगर का खास ख्याल रखा जाता है...



कांप्लैक्शन का ध्यान रखना जरूरी

यदि दुल्हन का रंग गोरा है तो कोई भी रंग बेधड़क पहना जा सकता है। इस मौके पर आप पिंक, फिरोजी, ग्रीन, रैड, सिल्वर या गोल्डन किसी भी कलर को चूज कर सकती हैं। यदि कांप्लैक्शन गेहुंएं रंग का है तो आप पर रूबी, रैड, ऑरेंज, नेवी ब्ल्यू, फिरोजी और ब्ल्यू कलर ज्यादा अच्छे लगेंगे, गोल्ड बेस वर्क के साथ मैरून, मैट गोल्ड वर्क के साथ एमेराल्ड ग्रीन या कॉपर के शेड्स अच्छे लगते हैं। सांवली रंगत वालों को ब्राइट कलर में यैलो,ऑरेंज, रैड एवं ब्ल्यू कलर्स में अपना आऊटफिट तैयार करवाना चाहिए।

बॉडी शेप

सिर्फ कम्प्लैक्शन के हिसाब से ही नहीं बल्कि बॉडी शेप के अनुसार भी लहंगे और साड़ी का चुनाव किया जाना बहुत जरूरी है तभी तो इस दिन आप सबसे अलग नजर आ पाएंगी। परफैक्ट शेप वाली लड़कियों पर हर तरह के स्टाइल का लहंगा जंचता है, इसलिए जो भी फैशन में हो आप बिना टैंशन के पहन सकती हैं। लहंगे के साथ स्ट्रेपी, वन शोल्डर, ऑफ -शोल्डर, डीप बैक में से जिस तरह की भी चोली आपको पसंद हो, बनवाएं। आप एंब्रायडरी फैशन के अनुरूप चुन सकती हैं अर्थात अपना आऊटफिट चुनने में आपको किसी प्रकार की टैंशन नहीं और च्वाइस में बहुत कुछ अवेलेबल है।

हैवी ब्रैस्ट वाली लड़कियों को लाइट वर्क वाली चोली का ही चुनाव करना चाहिए। यदि एम्ब्रायडरी का डिजाइन छोटा हो तो अच्छा लगेगा। यदि कमर के नीचे का हिस्सा हैवी है तो ए-लाइन लहंगा आप पर खूबसूरत लगेगा। फैब्रिक भी सॉफ्ट ही होना चाहिए। फुलावट वाला लहंगा आपको और भी हैवी लुक देगा। फुल स्लीव चोली भी आपकी फिगर को बैलेंस लुक देगी। पतली और लंबी लड़कियों पर कोई भी फैब्रिक अच्छा लगता है। लहंगे के साथ डीप नैक वाली छोटी चोली पहनें तथा दुपट्टा लंबा रखें। आप लंबे स्लीव और हाई नैक लाइन को इगनोर करें। चौड़ी बॉडी वाली लड़कियों को क्रेप या जॉर्जेट अच्छा लुक देगा। स्लिम लुक के लिए डॉर्क शेड में डीप नैक वाली चोली लें। लहंगे का बार्डर पतला और एम्ब्रायडरी वर्टिकल डिजाइन में रखें, आप एलिगैंट नजर आएंगी।

सर्दी में भी बच्चे रहें सेहतमंद



सर्दी के मौसम में जितनी देखभाल आप खुद की करते हैं उससे कहीं ज्यादा ख्याल अपने बच्चों का भी रखते हैं लेकिन लाख देखभाल करने के बावजूद इस मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम, बुखार जैसी समस्याएं हो ही जाती हैं चूंकि बच्चे अपनी समस्या सही तरीके से बता नहीं पाते और उपचार के दौरान उनसे परहेज कराना भी बड़ा मुश्किल काम होता है, इसलिए बच्चों की खराब सेहत एक बड़ी टैंशन के रूप में सामने आती है। ऐसे में बेहतर तरीका तो यही है कि इस मौसम की नजाकत को समझते हुए बच्चों को सीजनल बीमारियों से बचाने का प्रयास किया जाए।

बरतें सावधानी

दरअसल, सर्दी के मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम, लंबे समय तक खांसी, इन्फ्लूएंजा, वायरल, फ्लू, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियों की आशंका अधिक होती है लेकिन ठंड के मौसम में केवल थोड़ी सी सावधानी बरत कर ही आप अपने बच्चों को कई बीमारियों से दूर रख सकती हैं। हालांकि आम तौर पर बच्चे दवाएं लेने में आनाकानी करते हैं ऐसे में आप बच्चों को सर्दी-जुकाम की शुरूआत होते ही घरों में अदरक-तुलसी आदि का सेवन कराएं। यदि बच्चे को बुखार नहीं है और उसके ऊपरी रैस्पिरेट्री हिस्से सर्दी से प्रभावित हैं तो ये घरेलू उपचार काफी हद -तक उसके लिए फायदेमंद साबित होते हैं लेकिन अगर बच्चे को तीन दिन से अधिक समय तक बुखार और जुकाम हो या फिर 4-5 दिन बिना बुखार के सर्दी टिकी रहे तो अच्छे डॉक्टर से जांच कराने में देर कतई नहीं करें।

इनका भी रखें ध्यान

- नए ट्रैंड में फिटेड और खूबसूरत कट के लहंगों का फैशन है। फिश कट लहंगा और फिटेड चोली के साथ ए-लाइन घाघरा भी खूब पसंद किए जा रहे हैं।
- दुल्हन के लिए बनारसी एवं सिल्क की गोल्डन और सिल्वर वर्क के साथ साडियां ही पहली पसंद में शामिल रहती हैं। हालांकि हैवी वर्क के साथ शिफॉन, क्रेप और जॉर्जेट की साडियों का चलन भी बढ़ा है।
- साड़ी एवं लहंगा दोनों में मिरर, गोटा एवं पर्ल वर्क इन फैशन है। एंटीक गोल्ड, क्रिस्टल वर्क ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। कुंदन वर्क एवं सितारा वर्क के साथ थ्रैड वर्क, क्लासिक वर्क तथा कटैपरेरी वर्क का खूबसूरत कांबीनेशन भी बेहद पसंद किया जाता है।
- मोटी लड़कियों को साड़ी के अंदर स्ट्रेट कट या नॉन प्लेयर्ड पेटीकोट यूज करना चाहिए। इससे आप थोड़ा स्लिम लगेंगी। आपको शिफॉन, क्रेप और जॉर्जेट की साडियां पहननी चाहिए।

मैचिंग ड्रैस से बनें परफैक्ट

नई-नई शादी हुई हो तो हसबैंड और वाइफ दोनों ही अलग लुक में नजर आना चाहते हैं। खास तौर से डिनरलाइट पार्टीज, त्यौहारों एवं पारिवारिक समारोहों पर, ऐसे में मैचिंग ड्रैस एक परफैक्ट आप्शन नजर आता है जिसे आमतौर पर सैलीब्रिटीज कपल कैरी करते हैं। मौसम और समय के अनुसार आप रंग चुन सकते हैं या चाहें तो मैचिंग कंट्रास्ट भी कर सकते हैं। वास्तव में यह प्रेम को अभिव्यक्त करने के साथ ही रचनात्मकता और कुछ अलग करने की संतुष्टि भी प्रदान करता है।

ट्रैडिशनल लुक में सजें

इस रेंज में पत्नी के पास लहंगा, साड़ी, सलवार-सूट, गरारा और अनारकली जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं, तो पति भी उनके साथ कुर्ता-पायजामा, धोती-कुर्ता या शेरवानी जैसे ट्रैडिशनल परिधान चुन सकते हैं। यूं तो ट्रैडिशनल ड्रैसेज में केवल लाल, नारंगी, पीला रंग ही पसंद किया जाता था, परंतु अब आप रेडियम ग्रीन, ब्ल्यू या पर्पल, आइस ब्ल्यू, लीफ ग्रीन आदि से लेकर क्रीम और चॉकलेट कलर भी इस कैटेगरी में पसंद कर सकती हैं। अपने लहंगे, साड़ी या सलवार सूट की मैचिंग के हिसाब से पतिदेव के लिए उसी कलर में पाइपिंग, लाइनिंग या एम्ब्रायडरी वाला कुर्ता या शेरवानी चुनें।

यदि पतिदेव एक जैसे रंगों वाले परिधान नहीं चाहते तो आप उनके कुर्ते की नैक और स्लीव्स पर सेम कलर की हल्की एम्ब्रायडरी के साथ अपनी ड्रैस के कलर से मैचिंग चूड़ीदार पायजामा या धोती चुन लें या फिर उनके लिए मैचिंग स्टोल लें, इससे भी आप मैचिंग ड्रैस का लुत्फ उठा सकती हैं।

मॉडर्न - यह एक ऐसा ऑप्शन है जिसमें मैचिंग से किसी भी पति को एतराज नहीं हो सकता। यदि आप शानदार ईवनिंग गाऊन या फुल लैंथ ड्रैस पहन रही हैं तो उनके लिए थ्री पीस सूट, सामान्य सूट या फिर जींस के साथ अट्रैक्टिव एम्ब्रायडरी वाली शेरवानी निकाल लें। आप दोनों सब लोगों में अलग एवं आकर्षक नजर आएंगे। इसके अलावा पति के सूट या टाई से मैच करता आपका गाऊन भी एक अच्छा विकल्प है।

एक्सैसरीज - फुटवियर, वॉच, पर्स, बैग, क्लच, ब्रेसलैट, नैकलेस, बैल्ट, ईयररिंग्स या फिर बीडेड ज्यूलरी इत्यादि ढेर सारे ऑप्शंस हैं जो आप दोनों एक-दूसरे के ड्रैसअप के लिहाज से मैच कर सकते हैं। यहां आप अपनी पूरी क्रिएटिविटी दिखा सकते हैं।



फैशन का अंदाज हमेशा बदलता रहता है। मौसम की नजाकत के हिसाब से ही फैशन बाजार में अपना स्थान बना पाता है। इस समय सर्दी अपने पूरे शबाब पर है, ऐसे में खूबसूरत ड्रैसेस के साथ स्टाइल बनाए रखने के लिए स्टाइलिश स्टोल्स इन हैं। इनसे ठंड से तो बचाव होगा ही बल्कि ड्रैसेस की खूबसूरती भी बरकरार रहेगी...

लुक कूल विद हॉट स्टोल



ठंड दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। बाहर निकलने से पहले ढ़ेर सारे गर्म कपड़े, स्वैटर, जैकेट पहनने पड़ते हैं। लेकिन यह साल का बैस्ट फैशन टाइम भी होता है। सर्दी का मौसम फैशन के लिहाज से बहुत हॉट होता है। फैशन के दीवाने, सर्दी के इस मौसम में भी फैशनेबल दिखना चाहते हैं, पर साथ ही खुद को ठंड से बचाए रखना भी चाहते हैं। युवा इस कूल सीजन में खुद को हॉट बनाए रखने के लिए अपना फैशन स्टेटमैंट भी खूबसूरती के साथ चेंज करते हैं। इसलिए स्टाइलिश और डिफरैंट लुक के लिए उनकी पसंद होती है ऐसा विंटर वियर जिससे उनकी डिजाइनर ड्रैस पूरी तरह ढंके नहीं और साथ ही उनका स्टाइल भी बरकरार रहे।

सर्दी से बचाव के साथ ही यदि इसमें फैशन के रंग भी शामिल हो जाएं तो क्या बात है। विंटर में ट्रेंडी और स्टाइलिश अंदाज में रहने के लिए स्टोल्स खूब पसंद किए जा रहे हैं। स्टोल्स की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये आपकी ड्रैस को नोटिसेबल फ्लेयर देते हैं। वूलन और सिल्क से बने ये स्टोल्स स्मार्ट और डिफरेंट लुक्स भी दे रहे हैं। विभिन्न रंगों में उपलब्ध होने के कारण लड़कियों में इसकी खरीदारी जोरों पर चल रही है। ड्राइव करते समय या सर्दी में अपने चेहरे को ठंडी हवा और बेजान होने से बचाने के लिए लड़कियां इन स्टोल्स को पहनना पसंद कर रही हैं।

स्टोल्स का स्टाइल

स्टोल यानी चौकोर कपड़े का एक ऐसा टुकड़ा, जो इंडियन दुपट्टे और स्कार्फ का ही एक रूप है। हर कोई स्टोल्स पहनना पसंद कर रहा है। हर उम्र और मिजाज के लोग इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। स्टोल पहनने के कई तरीके हैं। आप अपने रंग-रूप और आउटफिट के हिसाब से स्टोल को कई तरीके से पहन सकती हैं। ज्यादातर महिलाएं इसे गले में हार की तरह दो बार घुमा कर डालती हैं और यह गले और गर्दन को पूरी तरह ढंक देता है। इन्हें गांठ बांधकर या फिर पिनअप करके भी पहना जा सकता है। लम्बे स्टोल को गले में कॉलर वाली शर्ट या स्वैटर के साथ डाल सकती हैं। जींस और शर्ट के साथ सिंपल पोल्का डॉट्स वाले स्टोल को गले में बांध सकती हैं और यदि आप थोड़ी बिंदास दिखना चाहती हैं तो इसे सिर पर भी बांध सकती हैं। कैजुअल दिखने के लिए आप स्टोल को गले में बिना गांठ बांधे भी डाल सकती हैं। पुरुष स्टोल को स्कार्फ की तरह इस्तेमाल करते हैं। पुरुषों के स्टोल्स यूनिसैक्स रंगों और फैब्रिक में आते हैं। इन्हें फॉर्मल और कैजुअल दोनों तरह की ड्रैसेस के साथ पहन सकते हैं। फॉर्मल वियर के साथ इसे नॉट लगाकर पहन सकते हैं, जिसके सिरे या तो वैस्ट तक लंबे हों या फिर आपके कोट की लंबाई के बराबर।

स्टाइलिश लुक

एक्सैसरीज में स्टोल्स का क्रेज बढ़ रहा है। यही वजह है कि युवतियां शॉल की बजाय स्टोल्स पहनना ज्यादा पसंद करती हैं। अगर इनका चयन अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से किया जाए, तो कॉलेज जाना हो या फिर किसी पार्टी में स्टोल्स आपको बहुत डैशिंग लुक देते हैं। स्टोल्स इंडियन व वैस्टर्न दोनों तरह की ड्रैसेज पर फबते हैं। जींस, टॉप, कैप्री व स्कर्ट्स पर ये स्टोल्स कूल लुक देते हैं। इसे आप सलवार सूट के साथ भी कैरी कर सकती हैं। अगर आप इन्हें जींस के साथ मैच करके पहनना चाहती हैं, तो पतला फोल्ड बनाकर मफलर लुक में कैरी कर सकती हैं। स्कर्ट पर पतला फोल्ड करके इसके दोनों सिरे आगे की तरफ लेकर डाल सकती हैं।

सॉफ्ट एंड कंफर्टेबल

माना जाता है कि सर्दियों में गले को बचाना, उसे ढंक कर रखना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे शरीर की कई नाजुक नसें गले से जुड़ी होती हैं इसलिए सर्दियों में गले को बचाना जरूरी है। स्टोल्स को गले में मफलर की ही तरह लपेटा जाता है। सर्दियों में आमतौर पर लंबे स्टोल कैरी किए जाते हैं, जिन्हें गले में डालकर गर्दन, कान और चेहरे को ठंड से बचाया जा सकता है। इस तरह ये आपको एक स्टाइलिश फैशनेबल लुक तो देते ही हैं, साथ ही आपका ठंड से बचाव भी करते हैं। स्टोल्स मफलर से ज्यादा हल्के, काफी गर्म और बेहद सॉफ्ट फैब्रिक में होते हैं। इसलिए ये बेहद कंफर्टेबल होते हैं और सर्दी से बचाव करने में बेजोड़।

मैचिंग एंड कंट्रास्ट

स्टोल्स के इतना लोकप्रिय होने का एक कारण यह भी है कि ये बहुत ही किफायती होते हैं, इनमें रंगों की बड़ी वैरायटी मिल जाती है और डिजाइंस की भरमार रहती है। इसके चलते यंगस्टर्स अपनी ड्रैसेस के साथ मैचिंग रंगों वाले स्टोल्स खूब खरीदती हैं। कई लोग इन्हें अपनी ड्रैस के कलर के अपोजिट कंट्रास्ट रूप में भी डालना पसंद करती हैं। स्टोल यदि आपकी आउटफिट के साथ कॉन्ट्रास्ट में होगा तो ज्यादा हॉट लुक देगा। इसलिए यदि आप ब्लैक ड्रैस ट्राई कर रही हैं तो कलरफुल स्टोल आपको ज्यादा स्मार्ट और खूबसूरत लुक देगा।

सिल्क स्टोल्स हैं लाजवाब

सिल्क व वूलन मिक्स से बने स्टोल्स इन दिनों महिलाओं व युवतियों की पहली पसंद बने हुए हैं। इस सीजन में थोड़ा हटकर ट्राई करें। इस मौसम में फैब्रिक का सबसे ज्यादा महत्व है। सिल्की टच लिए स्टोल्स अपने रिच लुक के कारण ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। सिल्क स्टोल कई शेप्स, डिजाइन और कलर्स में आप खरीद सकती हैं। स्कवेयर सिल्क स्टोल लड़कियां ज्यादा प्रेफर करती हैं क्योंकि यह औरों से अलग लुक देता है साथ ही इसे ज्यादा आसानी से कैरी किया जा सकता है। हालांकि कड़ाके की ठंड में वूलन स्टोल्स ही आपको गर्माहट देगा। कैजुअल लुक के लिए चेकी व प्लेन स्टोल्स खासतौर से युवतियों को पसंद आ रहे हैं। कॉटन के स्टोल में ब्राइट कलर्स जैसे गोल्डन, ब्लू, ब्राउन और रेड खास हैं। इन दिनों एनिमल प्रिंट और फ्लोरल प्रिंट्र वाले स्टोल ट्रैंड में हैं। एनिमल प्रिंट के स्टोल से बोल्डनैस भी झलकती है और खूबसरती भी। फ्लोरल प्रिंट के स्टोल्स का अंदाज औरों से जुदा ही होता ह। ये कैरी करने में तो अच्छे लगते ही हैं, साथ हीफैमिनिन लुक भी देते हैं। डिजाइनर्स स्टोल्स भी युवतियों को अट्रैक्ट रहे हैं, जिनमें कांथा वर्क, ब्रॉकेट की बॉर्डर्स फैशन में है। वूलन स्टोल प्योर वूल से बनाई जाती हैं और काफी गर्म होती हैं। इन्हें हर उम्र के लोग इस्तेमाल कर सकते हैं। कश्मीरी स्टोल को कॉटन व वूल को मिलाकर बनाया जाता है। यह युवाओं के लिए खास है। पशमीना स्टोल सबसे सॉफ्ट व हल्की होती है। लाइट वेट होने की वजह से इसे यंगस्टर्स पसंद करते हैं। रॉ सिल्क स्टोल हाथ से बनाए जाते हैं। फैदर स्टोल बेहद फैंसी होती हैं। हैंडलूम स्टोल हाथ से बनती हैं, जो अलग लुक वाली व डिजाइनर होती हैं। ऑर्क फॉरेस्ट सिल्क स्टोल में सिल्ककी सॉफ्टनैस और वूल की गर्माहट का मिश्रण होता है।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



'इस उम्र में मुझे सिर्फ मां बनना दिख रहा है....'

अरिश्फा खान

के भद्दे कमेंट पर छलका आम्रपाली दुबे का दर्द

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे इन दिनों टीवी के सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में अपने बेबाक और दबंग अंदाज से खूब सुर्खियां बटोर रही हैं. घर के अंदर जहां एक तरफ उनका रौब देखने को मिल रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ उनका केयरिंग और मां जैसा स्वभाव भी दर्शकों का ध्यान खींच रहा है. शो के लेटेस्ट एपिसोड में एक बड़े विवाद के बाद आम्रपाली दुबे ने जिंदगी के इस पड़ाव पर मां बनने की अपनी इच्छा पर खुलकर बात की है. उन्होंने साफ कहा है कि इस उम्र में उनके लिए मां बनना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है.दरअसल, 'बिग बॉस 20' के लेटेस्ट एपिसोड में जब आम्रपाली दुबे ने नॉमिनेशन टास्क के दौरान अरिश्फा खान को घर से बेघर करने के लिए नॉमिनेट किया, तो अरिश्फा अपना आपा खो बैठीं. गुस्से में आकर अरिश्फा ने आम्रपाली पर सीधा तंज कसते हुए उन्हें 'अम्मापाली, बच्चा बेचने वाली' कह दिया. अरिश्फा के इस भद्दे कमेंट को सुनते ही घर के सदस्य 'यंग' का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने अरिश्फा को तुरंत टोका. गौरतलब है कि शो के होस्ट सलमान खान ने भी मजाक-मजाक में आम्रपाली की तरफ देखकर उन्हें 'अम्मा' कहा था और कहा था कि इस घर में सिर्फ वही अकेली 'अम्मा' नहीं हैं. घर के युवा सदस्यों के प्रति आम्रपाली के प्रोटेक्टिव और केयरिंग नेचर की



वजह से उन्हें घर में अक्सर 'अम्मा' कहकर पुकारा जाने लगा है.

लव गिल से कही दिल की बात

अरिश्फा के तंज के बाद आम्रपाली दुबे अपनी साथी कंटेस्टेंट लव गिल से दिल की बात साझा करती नजर आईं. आम्रपाली ने बताया कि लोगों का ख्याल रखना उनके स्वभाव का हिस्सा है, कोई स्ट्रेटेजी नहीं. आम्रपाली ने लव गिल से कहा, लोग सोचते हैं कि शो में मां जैसे रहती हूं और लोगों के साथ व्यवहार करती हूं, वो मेरे गेम का हिस्सा है, लेकिन नहीं यार यह मेरे व्यक्तित्व का हिस्सा है. बल्कि इस समय मुझे सिर्फ मां बनना दिख रहा है और कुछ नहीं.39 साल की आम्रपाली ने आगे कहा, मैं दिखावा नहीं कर सकती कि मुझे लोगों की परवाह है. फिर चाहे वो स्काउट ओपी हो, यंग डीएससी हो या तुम (लव), जो भी मेरे साथ होगा मैं उसका ख्याल रखूंगी. यह मेरा असली नेचर बन गया है और मुझे लगता है कि यह मेरी उम्र की वजह से है. मैं सच में अब उम्र के उस पड़ाव पर आ गई हूं, जहां मुझे बच्चे को पालना है.

बिना शादी मां बनने की इच्छा

ये पहली बार नहीं है जब आम्रपाली दुबे ने मां बनने का सपना जाहिर किया है. इससे पहले शो 'भोजपुरी बवाल' में भी वे इस बारे में बेबाकी से बात कर चुकी हैं. तब उन्होंने खुलासा किया था कि बचपन से ही उनकी इच्छा एक बेटी को गोद लेने की रही है और उनके लिए शादी से ज्यादा पहली प्राथमिकता मां बनना है.

मेरे घर की औरतों को गालियां देकर उन्हें.....ट्रोल्स की धमकियों पर भड़के आसिफ खान



'बिग बॉस 20' के घर से अभिनेता आसिफ खान का सफर भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन घर से बाहर आते ही उनका सामना सोशल मीडिया की एक ऐसी काली और कड़वी सच्चाई से हुआ जिसने उन्हें गहरा सदमा पहुंचाया है. शो के दौरान अपने बेबाक अंदाज और हर मुद्दे पर मजबूती से स्टैंड लेने के लिए पहचाने जाने वाले आसिफ ने घर से बाहर आने के बाद टीवी9 हिंदी डिजिटल से की एक्सक्लूसिव बातचीत में अपनी आपबीती साझा की है. उन्होंने खुलासा किया कि कैसे उनकी पत्नी और बहन को सोशल मीडिया पर भद्दी गालियां और जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं.शो के दौरान हुए विवादों और ट्रोल्स के शर्मनाक व्यवहार पर बात करते हुए आसिफ खान का गुस्सा साफ झलक रहा था. उन्होंने कहा, एक रियलिटी शो बहुत बड़ा मंच है, जो लोगों की जिंदगी संवार देता है और मेरे करियर में भी इसकी बड़ी भूमिका रहेगी. लेकिन आखिर में ये सिर्फ एक शो ही है भाई! इसको इतना सीरियस ले करके किसी के परिवार की औरतों के इंस्टाग्राम DMs में जा-जाकर उनसे बदतमीजी करना, आप क्या साबित कर रहे हो? अगर आप मुझे बदतमीज कह रहे हो, तो फिर आप खुद क्या कर रहे हो? क्या आप मेरे घर की औरतों के DMs में आकर गालियां देकर उन्हें कोई सम्मान दे रहे हो? आसिफ ने साफ कहा कि सिर्फ रील्स देखकर फैसला करने वाले ट्रोल्स को वो कोई भी सफाई देना जरूरी नहीं समझते.

हेल्थ कंट्रोवर्सी पर बोले आसिफ

शो के दौरान उनके स्वास्थ्य और हार्ट अटैक की खबरों पर हुए विवाद और उनकी पत्नी द्वारा जारी किए गए ऑफिशियल स्टेटमेंट पर भी आसिफ ने अपनी राय रखी. उन्होंने माना कि उनकी पत्नी को वो स्टेटमेंट जारी करने की जरूरत नहीं थी. आसिफ ने कहा, मैंने अपनी वाइफ से भी कहा था कि ऐसा करने की जरूरत नहीं थी. अब अपनी पर्सनल इंफॉर्मेशन बाहर देकर भी क्या फायदा? जिसको नहीं मानना होगा, वो तो मेडिकल रिपोर्ट को भी नकली बोल देगा. अब क्या मैं दिल चीर के दिखा दूं कि यहां स्टेंट लगा हुआ है? समझदार ऑडियंस जानती है कि क्या सच है और क्या गलत.

ओटीटी का बड़ा चेहरा होने के बावजूद क्यों चुना 'बिग बॉस'?

जब आसिफ से पूछा गया कि फिल्मों और ओटीटी पर सफल काम करने के बाद उन्होंने टेलीविजन के रियलिटी शो में आने का फैसला क्यों किया? तो उन्होंने बेहद दिलचस्प जवाब दिया. आसिफ ने मुस्कुराते हुए कहा, अपने घर में तो हर इंसान बब्बर शेर बनता है, दूसरे के घर में जाकर बनो तो ज्यादा मजा आता है.

'अनुपमा' में आएगा एक और बड़ा लीप, पूरी स्टारकास्ट का होगा पत्ता साफ, रूपाली गांगुली का क्या होगा?



स्टार प्लस के मशहूर सीरियल 'अनुपमा' के फैंस के लिए बड़ी खबर सामने आ रही है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शो के मेकर्स एक बार फिर से बड़ा फेरबदल करने की तैयारी में हैं. शो में जल्द ही एक और नया टाइम लीप लाया जाएगा, जिसके बाद कहानी पूरी तरह से बदल जाएगी. इस लीप के साथ ही शो की मौजूदा स्टारकास्ट के ज्यादातर सदस्यों का सफर खत्म हो सकता है और उनकी जगह नए चेहरे एंट्री लेंगे.इस नए टाइम लीप के बाद शो में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे. मेकर्स एक फ्रेश स्टोरीलाइन के साथ नए किरदार और नए चेहरे इंट्रोड्यूस करने वाले हैं. हालांकि, अनुपमा का मुख्य किरदार निभा रहीं लोकप्रिय एक्ट्रेस रूपाली गांगुली शो में बनी रहेंगी. लीप के बाद अनुपमा की जिंदगी का एक नया अध्याय शुरू होगा, जहां वे नए संघर्षों, नई चुनौतियों और नए रिश्तों का सामना करती दिखेंगी. हालांकि, अभी तक चैनल या मेकर्स की ओर से इस नए लीप की टाइमलाइन और बदलावों को लेकर आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है.

2020 से अब तक आ चुके हैं 3 बड़े टाइम जंप

साल 2020 में टेलीकास्ट होने के बाद से 'अनुपमा' ने टीआरपी चार्ट्स पर लगातार राज किया है. दर्शकों को बांधे रखने के लिए मेकर्स इससे पहले भी तीन बार बड़ा लीप ला चुके हैं.

दसंबर 2023: शो में 5 साल का पहला बड़ा लीप आया था, जिसके बाद अनुपमा अमेरिका चली गई थीं और उनकी जिंदगी का नया सफर शुरू हुआ था.

जुलाई 2024: शो में 6 महीने का टाइम जंप देखा गया था, जहां अनुपमा और अनुज अलग-अलग रहते नजर आए थे.

14 अक्टूबर 2024: इसके बाद शो में एक बड़ा जनरेशनल लीप लाया गया था, जिससे कहानी कई साल आगे बढ़ गई थी और छोटे बच्चे बड़े किरदारों के रूप में सामने आए थे.

'अनुपमा' की मौजूदा कहानी में क्या चल रहा है?

फिलहाल शो की कहानी में अनुपमा अपने खुद के सपनों का घर बनाने और अपनी बिखरती जिंदगी को समेटने में लगी हुई है. इस सफर में उनके सामने नई मुश्किलें खड़ी हो रही हैं. एक तरफ वो मथेला से अपने परिवार को बचाने की जंग लड़ रही हैं, तो दूसरी तरफ अपने बेटे परितोष के साथ मिलकर उसके बेटे चीकू को वापस लाने की कोशिशों में जुटी हैं. इसके अलावा परी और इशानी की सुरक्षा के साथ-साथ वसुंधरा, गौतम, माही और आरवी के बीच चल रहा हाई-वोल्टेज ड्रामा दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रहा है.

एकता कपूर ला रही हैं नया रिएलिटी शो, वरुण सूद और पूनम पांडे को किया गया अप्रोच

रिएलिटी टेलीविजन की दुनिया में एक बार फिर एक बड़ी हलचल देखने को मिलने वाली है. मशहूर प्रोडक्शन हाउस बालाजी टेलीफिल्म्स और प्रोड्यूसर एकता कपूर दर्शकों के लिए एक नया और दिलचस्प रिएलिटी शो लेकर आने की तैयारी कर रहे हैं. हालांकि, इस अपकमिंग प्रोजेक्ट से जुड़ी ज्यादातर जानकारियों को फिलहाल गुप्त रखा गया है, लेकिन शो को लेकर दर्शकों के बीच अभी से ही काफी उत्सुकता बन गई है. मेकर्स ने अभी तक शो के नाम, फॉर्मेट या थीम को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन पर्दे के पीछे कास्टिंग की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. पूनम पांडे और वरुण सूद इस शो का हिस्सा हो सकते हैं.दरअसल, रिएलिटी टीवी के जाने-माने चेहरे और एक्टर वरुण सूद को बालाजी टेलीफिल्म्स के इस नए शो के लिए अप्रोच किया गया है. हालांकि, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि वरुण ने इस प्रोजेक्ट के लिए अपनी सहमति दी है या नहीं, लेकिन उनका नाम सामने आने के बाद से ही फैंस की उत्सुकता काफी बढ़ गई है. वरुण सूद रिएलिटी शो की दुनिया का एक लोकप्रिय नाम हैं.

'रोडीज' से वरुण सूद ने शुरू किया था करियर

वरुण सूद ने अपने करियर की शुरुआत 'एमटीवी रोडीज क्र2' से की थी, जिसके बाद वो 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 9' और फिर 'एस ऑफ स्पेस 1' का हिस्सा बने. रिएलिटी शो में अपनी परफॉर्मेंस और पर्सनालिटी के दम पर उन्होंने युवाओं के बीच एक तगड़ी फैन फॉलोइंग बनाई है. रिएलिटी टीवी के अलावा वरुण ने एक्टिंग में भी हाथ आजमाया है, जहां वो वेब सीरीज 'स्कवाड्रन' और 'कर्म कॉलिंग' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुके हैं.



पूनम पांडे का नाम भी आया सामने

इस नए रिएलिटी शो की कास्टिंग को लेकर एक और बड़ा अपडेट सामने आया है. रिपोर्ट के मुताबिक कंट्रोवर्सी और अपनी बोल्ड पर्सनालिटी के लिए जानी जाने वाली पूनम पांडे को भी बालाजी टेलीफिल्म्स के इस नए रिएलिटी शो के लिए अप्रोच किया गया है. यदि पूनम पांडे और वरुण सूद दोनों इस शो के लिए हरी झंडी दिखाते हैं, तो ऑन-स्क्रीन दर्शकों को जबरदस्त ड्रामा और एंटरटेनमेंट देखने को मिल सकता है. हालांकि, पूनम पांडे की तरफ से भी अभी तक इस पर कोई आधिकारिक रिएक्शन सामने नहीं आया है.

फॉर्मेट और कंटेस्टेंट्स की लिस्ट पर सस्पेंस बरकरार

फिलहाल मेकर्स ने शो के कॉन्सेप्ट, टाइटल और कंटेस्टेंट्स की पूरी लिस्ट पर सस्पेंस बना रखा है. ये देखना दिलचस्प होगा कि एकता कपूर और बालाजी टेलीफिल्म्स इस बार टीवी पर क्या नया और अलग पेश करने जा रहे हैं. दर्शकों को शो की आधिकारिक घोषणा और स्टारकास्ट की फाइनल लिस्ट का इंतजार है.

'एक साल तक कप्तानी न करें हार्दिक', पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने पांड्या को दी बड़ी सलाह



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। आईपीएल 2027 से पहले हार्दिक पांड्या के भविष्य और ट्रेड को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने हार्दिक की अगली आईपीएल टीम को लेकर अपनी राय रखी है। उनका मानना है कि हार्दिक के लिए चेन्नई सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं, लेकिन उन्हें फिलहाल किसी भी टीम की कप्तानी नहीं करनी चाहिए।

केकेआर में हार्दिक को कप्तानी देने के पक्ष में नहीं रायुडू

अंबाती रायुडू ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हार्दिक पांड्या के लिए सही विकल्प नहीं माना है। उनका कहना है कि केकेआर को इस समय नए कप्तान की जरूरत है और टीम की जिम्मेदारी संभालना आसान नहीं होगा। रायुडू ने ष्टह्वद्धष्ठह्व55 पर चर्चा के दौरान कहा, 'मेरे हिसाब से पंजाब या चेन्नई, ये दोनों टीमें हैं जहां हार्दिक जा सकते हैं। लेकिन उन्हें कप्तानी नहीं करनी चाहिए।'

सीएसके और पीबीकेएस को बताया हार्दिक के लिए बेहतर विकल्प: रायुडू का मानना है कि चेन्नई और पंजाब में हार्दिक को अपने क्रिकेट पर ध्यान देने का अच्छा मौका मिल सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'वहां उन्हें अपने क्रिकेट के लिहाज से एक अच्छा माहौल मिलेगा। लेकिन चक्रक्रमें उनके ऊपर काफी जिम्मेदारियां होंगी, क्योंकि टीम को कप्तान की जरूरत है। इस समय उस टीम की कप्तानी करना आसान नहीं है।' हालांकि, फिलहाल हार्दिक के ट्रेड को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मुंबई इंडियंस में हार्दिक को महसूस हुआ दबाव?

रायुडू ने आईपीएल के पिछले सीजन में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की स्थिति पर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि हार्दिक खुद को टीम के भीतर घिरा हुआ महसूस कर रहे थे। रायुडू ने कहा, 'मुंबई में मुझे ऐसा लगा कि हार्दिक को महसूस हो रहा था कि उन्हें एक कोने में धकेल दिया गया है। जब आपको ऐसा महसूस होता है, तो आप हमेशा अपने कंधे के ऊपर से देखते रहते हैं।'

कप्तानी के कारण बिगड़ सकता है ड्रेसिंग रूम का माहौल

रायुडू ने आगे बताया कि जब कोई खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में खुद को असहज महसूस करता है, तो उसका असर उसके व्यवहार और प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'जब ड्रेसिंग रूम में ऐसा होता है, तो आप कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं, जैसा आप खुद भी नहीं करना चाहते। हार्दिक के लिए कई चीजें सही नहीं रहीं। इसमें उनकी गलती भी हो सकती है और कुछ दूसरी वजहें भी हो सकती हैं। रायुडू का मानना है कि अगर हार्दिक मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वह मुंबई इंडियंस में रहना चाहते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि उन्हें कप्तान होना चाहिए। उन्हें सिर्फ अपना खेल खेलना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए मैच विनर बनना चाहिए।' रायुडू ने साफ किया कि दूसरी टीम में जाने पर भी हार्दिक को कम से कम एक सीजन कप्तानी नहीं करनी चाहिए। आईपीएल 2026 के बाद से मैदान से दूर हैं हार्दिक हार्दिक पांड्या ने आईपीएल 2026 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेला है। वह बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की वनडे टीम में भी चुना गया था, लेकिन समय पर फिटनेस हासिल नहीं कर पाने के कारण वह वापसी नहीं कर सके। फिलहाल उनकी वापसी की आधिकारिक तारीख सामने नहीं आई है।

यूईएफए चैंपियंस लीग, कोमो की रिकॉर्ड जीत, लेंस को 9-1 से हराया

लेंस ,(एजेंसी)। कोमो ने यूईएफए चैंपियंस लीग में लेंस को 9-1 से हरा दिया। इस टूर्नामेंट में किसी इटैलियन क्लब की अब तक की यह सबसे बड़ी जीत है। मेहमान टीम ने शुरुआत में ही मैच पर नियंत्रण बना लिया था। डौविकास ने सातवें मिनट में स्कोरिंग शुरू की और फिर 32वें मिनट में अपने स्कोर को दोगुना कर दिया। निको पाज ने हाफ टाइम से आठ मिनट पहले बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भी कोमो ने लेंस को आराम से नहीं रहने दिया। लुकास दा कुन्हा ने 47वें मिनट में स्कोर 4-0 कर दिया, इसके छह मिनट बाद मार्क-ओलिवर केम्पफ ने गोल किया। सब्स्टीट्यूट माटिया लिबेराली ने 62वें मिनट में एक और गोल किया। रूबेन एगुइलर ने 65वें मिनट में गोल करके घरेलू समर्थकों को थोड़ी देर के लिए जश्न मनाने का मौका दिया, लेकिन मार्टिन बटुरिना ने चार मिनट बाद कोमो की छह गोल की बढ़त वापस दिला दी। डेब्यू कर रहे माटेओ पापासिओली ने स्टॉपेज टाइम में शानदार स्कोरलाइन पूरी की। पाज की भूमिका अहम रही। उन्होंने एक गोल करने के साथ दो असिस्ट किए, जबकि लिबेराली ने भी एक गोल करने के साथ दो असिस्ट किए।

15 साल की तन्वी का डकार में बजा डंका

यूथ ओलंपिक खेलों में रचा इतिहास; महिला बैडमिंटन फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारत की युवा स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने सेनेगल के डकार में जारी यूथ ओलंपिक खेलों में इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतियोगिता की महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गई हैं।

ओडिशा की 15 वर्षीय तन्वी ने शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जापान की दूसरी वरीयता प्राप्त युजुनो वतनबे को कड़े मुकाबले में 21-14, 11-21, 21-19 से शिकस्त दी। 54 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक के लिए होने वाले खिताबी मुकाबले में जगह पक्की कर ली। तन्वी ने इससे पहले थाईलैंड की कुंगकाएव कनानिक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी और ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया था। अब उनके पास स्वर्ण पदक जीतकर अपने यादगार अभियान को ऐतिहासिक बनाने का



सुनहरा मौका है। फाइनल में उनका सामना चीन की यी शिन झांग से होगा, जो मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन हैं। तन्वी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। जापानी खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-11 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबला लगातार उतार-चढ़ाव से गुजरता रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में तन्वी ने गजब का संयम दिखाया।

उन्होंने 21-19 से तीसरा गेम जीतकर यादगार जीत दर्ज की। तन्वी की यह उपलब्धि यूथ ओलंपिक में भारतीय बैडमिंटन की बढ़ती पहचान का एक और महत्वपूर्ण अध्याय है। इससे पहले 2010 में सिंगापुर में आयोजित पहले यूथ ओलंपिक में एचएस प्रणय ने रजत पदक जीता था। 2018 में ब्यूनस आयर्स युवा ओलंपिक में लक्ष्य सेन उपविजेता रहे थे। आदित्य जोशी ने 2014 में पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

फाइनल में होगी तन्वी की कठिन परीक्षा

तन्वी और झांग के बीच अब तक केवल एक बार भिड़ंत हुई है। इस साल एशिया जूनियर चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में दोनों आमने-सामने आई थीं, जहां तन्वी को कड़े संघर्ष के बाद 18-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा था। कुल मिलाकर तन्वी के सामने फाइनल में कठिन परीक्षा होने वाली है। युजुनो के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला तन्वी के धैर्य और मानसिक मजबूती की कड़ी परीक्षा साबित हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी और किसी ने भी आसानी से हार नहीं मानी।

पिछले सीजन के मुकाबले इस बार मुंबई इंडियंस की टीम में बेहतर संतुलन है: अभिनव मुकुंद

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद का मानना है कि मुंबई इंडियंस (एमआई) ने पिछले सीजन में टीम संयोजन से जुड़ी अपनी कमजोरियों को काफी हद तक दूर कर लिया है। उनके अनुसार, इसमें नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स की बड़ी भूमिका रही है, क्योंकि वह कई खिलाड़ियों को पहले से अच्छी तरह जानते थे। मुकुंद ने कहा कि इसी वजह से दो बार की चैंपियन टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के लिए एक ज्यादा संतुलित और मजबूत टीम तैयार करने में सफल रही है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ पहले काम कर चुके विलियम्स एमआई टीम की चयन प्रक्रिया में एक नया नजरिया लेकर आए हैं। मुकुंद ने बताया कि खिलाड़ियों के साथ विलियम्स के पुराने जुड़ाव का असर फ्रेंचाइजी के नीलामी और ट्रेडिंग फैसलों पर पड़ा है। मुकुंद ने 'जियोस्टार' से कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले सीजन के मुकाबले इस बार एमआई की टीम में कहीं बेहतर संतुलन है। मुझे यह बात भी अच्छी लगी कि उनके नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स ने ऐसी खिलाड़ियों को चुना है जो टीम को मजबूती देंगी और उसमें वैल्यू जोड़ेंगी।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे कहा, 'उन्होंने दिशा कसाट को लिया है, जिन्होंने आरसीबी में उनके साथ काफी करीब से काम किया था। इसके अलावा, तारा नॉरिस को ट्रेड के जरिए टीम में शामिल करना भी काफी शानदार फैसला है।

मैनचेस्टर सिटी ने आरबी लीपजिग को हराया

चैंपियंस लीग में आर्सेनल का अजेय सफर जारी



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। चैंपियंस लीग के लीग चरण के अपने चौथे मैच में आर्सेनल फुटबॉल क्लब ने चेक गणराज्य के फॉर्च्यूना एरिना में स्लाविया प्राग को 2-1 से हराकर अपना अजेय सफर जारी रखा है। वहीं, मैनचेस्टर सिटी आरबी लीपजिग को 3-2 से हराकर जीत की पटरी पर लौट आई है। आर्सेनल के लिए नोनी माडुके और विक्टर ग्योकेरेस ने गोल किए, जबकि मेजबान टीम के लिए एकमात्र गोल 90वें मिनट में विक्टर नोवाक ने किया। मिकेल आर्टेटा की टीम आर्सेनल अपने मानकों से काफी दूर थी, लेकिन लीग चरण में अजेय बने रहने के लिए उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। आर्टेटा ने लिवरपूल को हराने वाली टीम में छह बदलाव किए। काई हैवर्ट्ज की जगह ग्योकेरेस को शुरुआती लाइनअप में शामिल किया गया। इस स्वीडिश स्ट्राइकर ने जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मैच के शुरुआती 10 मिनटों के भीतर माडुके को असिस्ट दिया, जिससे माडुके ने 9वें मिनट में गोल कर दिया। इसके बाद, 38वें मिनट में ग्योकेरेस ने खुद भी एक गोल किया। उन्होंने मिकेल मेरिनो के साथ पास का आदान-प्रदान किया और गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी।

मेजबान टीम ने दूसरे हाफ में अच्छा खेल दिखाया और आर्सेनल के डिफेंस पर दबाव बनाया। 90वें मिनट में नोवाक ने करीब से एक गोल किया। जीत के बाद मैनेजर आर्टेटा ने माना कि टीम अपने तय मानकों से काफी दूर थी। मैच के बाद आर्टेटा ने कहा, 'इस टीम में जबरदस्त जज्बा और अटूट विश्वास है। अगर आप इन्हें कोई मौका देते हैं, तो ये उसका पूरा फायदा उठाते हैं। हम अपने तय मानकों से बहुत दूर थे।

खेल के दौरान खासकर दूसरे हाफ में हम अपनी बुनियादी बातों, हर कॉन्सेप्ट और उन चीजों के मामले में काफी पीछे रहे जिनसे हमें बचने के लिए कहा गया था। हम एक-दूसरे से जो उम्मीदें रखते हैं, हम उन मानकों से बहुत दूर थे, लेकिन फिर भी हमने किसी तरह मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और जीत हासिल की।'

इस बीच, एर्लिंग हालैंड ने मैच के आखिर में गोल करके मैनचेस्टर सिटी को आरबी लीपजिग के खिलाफ 3-2 से जीत दिलाई। इससे पहले, मैनचेस्टर सिटी को लगातार दो प्रीमियर लीग मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि काराबाओ कप में उन्होंने ब्राइटन को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि, यूरोपियन टूर्नामेंट में उन्होंने जीत की राह पर लौटने के लिए जरूरी प्रदर्शन किया। 37वें मिनट में आरबी लीपजिग के डिफेंडर कैस्टेलो लुकेबा ने निको ओ'रेली के शॉट को रोकने की कोशिश में गेंद को अपने ही गोलपोस्ट में डाल दिया, जिससे मैनचेस्टर सिटी को 1-0 की बढ़त मिल गई।

इसके बाद आरबी लीपजिग के रिडले बाकू ने गोल करके स्कोर बराबर करने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही एंजो फर्नांडिज ने हेडर से गोल करके मैनचेस्टर सिटी को फिर से बढ़त दिला दी। 61वें मिनट में एंटोनियो नुसा ने गोल करके आरबी लीपजिग को वापस मैच में ला खड़ा किया, लेकिन 78वें मिनट में हालैंड ने निर्णायक गोल करके अपनी टीम को जीत दिला दी।

वेटलिफ्टिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में

बुल्गारिया के कार्लोस नासर का जलवा

निंगबो ,(एजेंसी)। बुल्गारिया के कार्लोस नासर ने वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में बुधवार को पुरुषों की 95 किलोग्राम कैटेगरी में तीनों वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए अपना चौथा विश्व खिताब जीता। चीन के निंगबो में आयोजित प्रतियोगिता में 21 वर्षीय नासर ने स्नैच में 185 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 230 किलोग्राम का वजन उठाया।

इस तरह उनका कुल वजन 415 किलोग्राम रहा, जो कजाकिस्तान के नुरगिसा अडिलेतुली से 16 किलोग्राम



अधिक था। 2024 ओलंपिक चैंपियन नासर अब 89 किलोग्राम कैटेगरी से ऊपर आ गए हैं। प्रतियोगिता में अडिलेतुली ने 399 किलोग्राम के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि 2024 एशियन गेम्स के चैंपियन, ईरान के अली अलीपोर ने 396 किलोग्राम के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। चीन के कियान फेइक्सियांग 385 किलोग्राम के साथ चौथे स्थान पर रहे। नासर ने अपने सभी छह प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए। उन्होंने 'स्नैच' में 175 किलोग्राम, 180 किलोग्राम और 185 किलोग्राम वजन उठाया, जिसके बाद 'क्लीन एंड जर्क' में 213 किलोग्राम, 220 किलोग्राम और 230 किलोग्राम का वजन सफलतापूर्वक उठाया।

उनका आखिरी क्लीन एंड जर्क प्रयास 220 किलोग्राम के पिछले वर्ल्ड रिकॉर्ड से बेहतर था, जबकि उनका कुल वजन (415 किलोग्राम) अलीपोर द्वारा सितंबर में बनाए गए 398 किलोग्राम के पिछले विश्व रिकॉर्ड से कहीं अधिक था।

इस जीत के साथ नासर ने अपना चौथा विश्व खिताब हासिल किया और वेटलिफ्टिंग के शीर्ष एथलीट्स में अपनी जगह और मजबूत कर ली। निंगबो में आयोजित यह चैंपियनशिप 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत है।

पैरा टेबल टेनिस में रचा इतिहास

पैरालंपिक में देश को दिलाया पहला पदक

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भाविना पटेल का नाम देश की शीर्ष पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों में शुमार है। भाविना ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर देश का नाम दुनियाभर में प्रतिष्ठित किया है। भाविना पटेल का जन्म 6 नवंबर 1986 को मेहसाणा, गुजरात में हुआ था।

वह सिर्फ 12 साल की उम्र में पोलियो का शिकार हो गई, जिससे उनका दायां पैर प्रभावित हो गया। भाविना के माता-पिता ने उनकी शारीरिक अक्षमता को कभी उनकी कमजोरी नहीं बनने दिया और उन्हें कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित किया। पटेल 2007 में ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन कंप्यूटर कोर्स करने पहुंची थीं। वहीं पर उन्होंने कुछ बच्चों को टेबल टेनिस खेलते देखा। यहीं से उनके मन में टेबल टेनिस के प्रति रुचि बढ़ी। इसके बाद उन्होंने ललन दोशी के मार्गदर्शन में इस खेल का प्रशिक्षण लेना शुरू किया। व्हीलचेयर पर बैठकर खेलना आसान नहीं था, लेकिन भाविना ने अपनी हिम्मत और मेहनत से इसे आसान बनाया। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सबसे पहले भाविना ने 2009 में जॉर्डन में हिस्सा लिया। इसके बाद 2011 में थाईलैंड ओपन में चीनी खिलाड़ी को



हराकर उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। 2013 में बीजिंग में एशियन पैरा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उन्होंने देश को पहला सिल्वर मेडल दिलाया।

टोक्यो पैरालंपिक 2020 की सफलता ने भाविना को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता और पहचान दिलायी। क्लास 4 कैटेगरी के फाइनल में उन्होंने जगह बनाई। फाइनल में उन्हें चीनी खिलाड़ी झोउ यिंग के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह मेडल ऐतिहासिक था। भारत को पहली बार पैरा टेबल टेनिस में पैरालंपिक मेडल मिला। 39 साल की भाविना ने 2022 कॉमनेल्थ गेम्स में गोल्ड जीता था। उनके नाम 2018 पैरा एशियन गेम्स में सिल्वर और 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स में कांस्य पदक है।

भाविना ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में कांस्य पदक जीता था। 2021 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया था। शारीरिक अक्षमता के बावजूद भाविना पटेल की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो मुश्किलों के बावजूद अपनी जिंदगी में बड़ी सफलता हासिल करना चाहते हैं।

विराट कोहली ने बताई अपनी सबसे पसंदीदा वनडे इनिंग

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने 38वें जन्मदिन पर अपनी पसंदीदा वनडे पारी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने अपनी कई यादगार शतकीय पारियों को पीछे छोड़ते हुए महज 43 रन की पारी को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चुना। यह पारी उन्होंने 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी।

2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल की पारी को चुना: स्टार स्पोर्ट्स की ओर से जारी एक वीडियो में कोहली को अपनी कुछ बेहतरीन वनडे पारियों में से पसंदीदा पारी चुनने का टास्क दिया गया था। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेली गई 43 रन की पारी को सबसे ऊपर रखा। भारत ने इस बारिश से प्रभावित मुकाबले में पांच रन से जीत दर्ज की थी।

2011 विश्व कप फाइनल की पारी भी थी पसंद: कोहली ने शुरुआत में 2011 विश्व कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ बनाए गए 35 रन को चुना। उस मुकाबले में भारतीय टीम ने 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल समय में कोहली ने गौतम गंभीर के साथ अहम साझेदारी कर टीम को संभालने में मदद की थी।

183 रन की ऐतिहासिक पारी को भी छोड़ा पीछे: कोहली ने अपनी पसंदीदा पारी चुनते समय पाकिस्तान के खिलाफ 2012 एशिया कप में बनाए गए 183 रन को भी पीछे छोड़ दिया।

इस मुकाबले में उन्होंने 330 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शतक लगाया था। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 160 रन और 2015 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 107 रन की पारी भी उनकी पसंदीदा सूची में जगह नहीं बना सकी।

43 रन की पारी के पीछे थी खास वजह: 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत ने बारिश के कारण 20 ओवर में 129 रन का लक्ष्य रखा था। टीम इंडिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 66 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल हालात में कोहली ने 43 रन बनाकर रवींद्र जडेजा के साथ 47 रन की अहम साझेदारी की। भारत ने यह मुकाबला पांच रन से जीतकर खिताब अपने नाम किया था।



कोहली के नाम दर्ज हैं कई बड़े रिकॉर्ड

विराट कोहली वनडे क्रिकेट में 15,183 रन बना चुके हैं, जिसमें 55 शतक और 80 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 9,230 रन और 30 शतक दर्ज हैं, जबकि टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 4,188 रन बनाए हैं। तीनों फॉर्मेट में मिलाकर कोहली के नाम 28,601 अंतरराष्ट्रीय रन और 86 शतक हैं।

महापौर श्री प्रवेश वाही ने आज उत्तर पश्चिम क्षेत्र के वार्ड नंबर-53 के प्रशांत विहार में कॉम्पेक्टर का उद्घाटन किया

दिल्ली की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रतिबद्ध,अधिकारियों को इस संबंध में जारी किए गए हैं सख्त निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के महापौर श्री प्रवेश वाही ने आज उत्तर पश्चिम क्षेत्र के वार्ड नंबर-53 के प्रशांत विहार में स्थित सफेदवाला पार्क में 2 कॉम्पेक्टर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि हम लगातार दिल्ली की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कार्यरत हैं और आज इसी कड़ी में इन 2 कॉम्पेक्टर का उद्घाटन किया गया है। कॉम्पेक्टर लगने से प्रशांत विहार,रोहिणी सेक्टर-9 और 13 इत्यादि इलाकों का कूड़ा इधर उधर नहीं फैलेगा बल्कि कॉम्पेक्टर मशीन की सहायता से इसे कॉम्पैक्ट करके सीधा ढलाव पर भेजा जा सकेगा। इस अवसर पर उत्तर पश्चिम क्षेत्र के उपायुक्त श्री अंशुल सिरोही सहित दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

श्री प्रवेश वाही ने कहा कि हम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आदेश पर एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में कार्य कर रहे हैं। अनेक स्थानों से गारबेज वल्नरेबल पॉइंट्स को हटाया जा रहा है और दिल्ली स्वच्छता की ओर बढ़ रही है। प्रत्येक क्षेत्रीय उपायुक्त एवं स्वच्छता निरीक्षकों को सख्त हिदायत दी गई है कि कहीं भी कूड़ा न फैले और दीवाली के अंतर्गत स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखें।

श्री प्रवेश वाही ने कहा कि हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि स्त्रोत पर ही कूड़े को पृथक करें और सभी इस मुहिम से जुड़ें।निगम सभी आरडब्लूए, एनजीओ एवं नागरिकों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा डस्टबिन भी वितरित किए जा रहे हैं तथा गीले कूड़े से कंपोस्ट बनाने के लिए हाउसिंग सोसाइटियों में एरोबिन भी लगाए गए हैं।

महापौर ने कहा कि 'स्वच्छ, सुंदर एवं कचरा-मुक्त दिल्ली का संकल्प तभी साकार होगा, जब जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सफाई कर्मचारी और आम नागरिक मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।' उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने में निगम का सहयोग करें।



अजमेरी गेट में भवन गिरने की घटना पर एमसीडी की त्वरित कार्रवाई; जांच लंबित रहने तक जेई और एई निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने संपत्ति संख्या 4548, गली शीश महल, शतारा, अजमेरी गेट में 5 नवंबर, 2026 को सुबह लगभग 10:30 बजे हुए भवन हादसे का तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लगभग 70 - 80 वर्ग गज क्षेत्रफल में स्थित उक्त भवन की तीसरी मंजिल की छत की शटरिंग हटाए जाने के दौरान यह हादसा हुआ। बताया गया है कि तीसरी मंजिल की छत का निर्माण लगभग 15 दिन पहले ही किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप भवन की सभी छतें ढह गईं। प्रारंभिक अभिलेखों के अनुसार, उक्त निर्माण के संबंध में भवन स्वामी/निर्माणकर्ता द्वारा भवन योजना स्वीकृति (Sanction of Building Plan - SPB) के लिए कोई आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया था। इसके अतिरिक्त, हादसे से पूर्व निगम को उक्त स्थल पर चल रहे निर्माण कार्य के संबंध में कोई शिकायत भी प्राप्त नहीं हुई थी। घटना को गंभीरता से लेते हुए एमसीडी ने संबंधित कनिष्ठ अभियंता (JE) एवं सहायक अभियंता (AE) को आगामी जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया है। साथ ही, भवन गिरने के कारणों का पता लगाने तथा जहां भी लापरवाही अथवा कर्तव्य निर्वहन में चूक पाई जाएगी, वहां जिम्मेदारी निर्धारित करने के लिए उचित कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय महापौर ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। दिल्ली नगर निगम घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रहा है तथा लागू नियमों एवं विनियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। निगम भवन निर्माण संबंधी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने और अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली पुलिस ने नीरज बवाना/नवीन उर्फ बाली गैंग के दो कथित शूटरों को पांच अवैध हथियारों और 13 कारतूसों के साथ किया गिरफ्तार



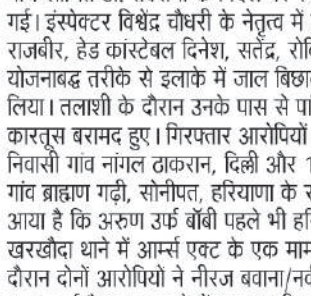
नई दिल्ली, एजेंसी।

नई दिल्ली। आउटर नॉर्थ जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने एक बड़ी आपराधिक साजिश को नाकाम करते हुए कुख्यात नीरज बवाना/नवीन उर्फ बाली गैंग के दो कथित सहयोगियों और शूटरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच अवैध हथियार और 13 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बरामद हथियारों में दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और तीन देसी कट्टे शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी अलीपुर इलाके से गुजरते हुए किसी गंभीर आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस को 2 नवंबर 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि गैंग से जुड़े दो हथियारबंद व्यक्ति अलीपुर इलाके से गुजरने वाले हैं। सूचना मिलते ही डीसीपी आउटर नॉर्थ शोभित डी. सक्सेना के निर्देश पर स्पेशल स्टाफ की टीम गठित की गई। इंस्पेक्टर विश्वेंद्र चौधरी के नेतृत्व में एसआई विशाल मलिक, एएसआई राजबीर, हेड कांस्टेबल दिनेश, सतेंद्र, रोबिन, नवीन और रवि की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से इलाके में जाल बिछाया और दोनों संदिग्धों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से पांच अवैध हथियार और 13 जिंदा कारतूस बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कपिल ठाकरान निवासी गांव नांगल ठाकरान, दिल्ली और 19 वर्षीय अरुण उर्फ बॉबी निवासी गांव ब्राह्मण गढ़ी, सोनीपत, हरियाणा के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि अरुण उर्फ बॉबी पहले भी हरियाणा के सोनीपत जिले के खरखौदा थाने में आर्म्स एक्ट के एक मामले में शामिल रहा है। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने नीरज बवाना/नवीन उर्फ बाली गैंग से जुड़े होने की बात बताई है। इस मामले में थाना अलीपुर में 3 नवंबर 2026 को एफआईआर संख्या 640/26 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25 में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब आरोपियों से बरामद हथियारों के स्रोत, उनकी सप्लाई करने वालों और हथियारों के संभावित खरीदारों के बारे में पूछताछ कर रही है। साथ ही गैंग के अन्य सदस्यों की पहचान करने और आरोपियों की अन्य आपराधिक मामलों में संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी

सेंट्रल जिला पुलिस की संपर्क सभा में 329 पुलिसकर्मियों ने लिया हिस्सा, आठ बड़े मामलों की जांच में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 72 पुलिसकर्मी सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के सेंट्रल जिले की ओर से पुलिसकर्मियों की समस्याओं के समाधान, कल्याण और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से गांधी स्मृति, राजघाट के पास स्थित सत्याग्रह मंडप में संपर्क सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 329 पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया। संपर्क सभा के बाद पुलिसकर्मियों के लिए बड़ा खाना आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य पुलिस बल में आपसी भाईचारे, एकजुटता और सामूहिक भावना को मजबूत करना था। कार्यक्रम में



विशेष पुलिस आयुक्त (लॉ एंड ऑर्डर), जोन-1 देवेश श्रीवास्तव और संयुक्त पुलिस आयुक्त, सेंट्रल रेंज मधुर वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर डीसीपी सेंट्रल जिला रोहित राजबीर सिंह, अतिरिक्त डीसीपी, एसीपी, थाना प्रभारी और जिले के अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने विशेष पुलिस आयुक्त देवेश श्रीवास्तव का स्वागत करते हुए उन्हें पौधा भेंट कर सम्मानित किया। संपर्क सभा को संबोधित करते हुए विशेष पुलिस आयुक्त देवेश श्रीवास्तव ने सेंट्रल जिले के पुलिसकर्मियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों ने हाल के दिनों में बड़े कानून-व्यवस्था संबंधी आयोजनों की जिम्मेदारी निभाने के साथ-साथ अपनी नियमित ड्यूटी भी पूरी निष्ठा और पेशेवर तरीके से निभाई है। उन्होंने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि आम नागरिकों की शिकायतों का संवेदनशीलता, समझदारी और निष्पक्षता से समाधान करना भी उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को ईमानदारी, अनुशासन, समयबद्धता और बिना किसी भेदभाव के काम करने की सलाह दी। उन्होंने पुलिसिंग में आधुनिक तकनीक के महत्व पर जोर देते हुए ई-एचआरएमएस के अधिकतम उपयोग, संवेदनशील क्षेत्रों में बॉडी वॉर्न कैमरों के इस्तेमाल और पुलिस थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के प्रभावी उपयोग की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं के साथ पुलिसकर्मियों का व्यवहार विनम्र, पेशेवर और जिम्मेदार होना चाहिए। साथ ही दिल्ली में पुलिस और जनता के बीच संपर्क मजबूत करने के लिए 500 पुलिस बूथ स्थापित करने की प्रस्तावित योजना की जानकारी भी दी। विशेष पुलिस आयुक्त ने महिला पुलिसकर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कठिन कानून-व्यवस्था संबंधी ड्यूटी के दौरान सराहनीय समर्पण दिखाया है। उन्होंने पुलिसकर्मियों के कल्याण पर भी जोर दिया और प्रत्येक थाने में वाटर कूलर, टेलीविजन, माइक्रोवेव ओवन सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

भाजपा सरकार में हो रही अवैध वसूली के चलते दिल्ली में फिर तीन मंजिला इमारत गिरी: सौरभ भारद्वाज

- अवैध निर्माण के खिलाफ ठोस कार्रवाई के बजाय दिल्ली सरकार के विभाग रिश्वत वसूल रहे - सौरभ भारद्वाज
- रिश्वत मिलने पर इमारतें छोड़ दी जाती हैं और रिश्वत नहीं मिलने पर सील कर दी जाती है- सौरभ भारद्वाज
- दिल्ली सरकार हादसे की उच्च स्तरीय जांच करा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे - अंकुश नारंग

नई दिल्ली, एजेंसी।

नई दिल्ली। दिल्ली में एक और तीन मंजिला इमारत के गिरने और मलबे में दबकर कई लोगों की मौत होने पर आम आदमी पार्टी ने चिंता जताई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज समेत अन्य नेताओं ने चावड़ी बाजार में मेट्रो स्टेशन पर तीन मंजिला बिल्डिंग गिरने के लिए भाजपा सरकार में चल रही अवैध वसूली को जिम्मेदार बताया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में सुरक्षा ऑडिट के नाम पर सिर्फ अवैध वसूली हो रही है। अवैध निर्माण के खिलाफ ठोस कार्रवाई के बजाय दिल्ली सरकार के विभाग रिश्वत वसूल रहे हैं। रिश्वत मिलने पर इमारतें छोड़ दी जाती हैं और रिश्वत नहीं देने पर सील कर दी जाती है।

सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि चावड़ी बाजार में एक और 3 मंजिला इमारत ढह गई है और मलबे के नीचे कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। रेखा गुप्ता की सरकार और एमसीडी ने दिल्ली की सभी इमारतों के कई सुरक्षा ऑडिट किए हैं, फिर भी इमारतें लगातार गिर रही हैं,आखिर ऐसा क्यों है? सुरक्षा ऑडिट के बार-बार आदेश दिए गए हैं, लेकिन ठोस कार्रवाई के बजाय कई विभागों ने कई बार रिश्वत वसूली, यही वजह है कि हर महीने इमारतें ढहती हैं।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पहले केवल दिल्ली पुलिस और एमसीडी रिश्वत लेती थे, लेकिन रेखा गुप्ता की सरकार आने के बाद दमकल विभाग और उनके अधीन आने वाले राजस्व विभाग के एसडीएम ने भी इमारतों से रिश्वत वसूलना शुरू कर दिया है। जो लोग रिश्वत देने से मना करते हैं, एमसीडी उन्हें सील कर देती है। यह इस पिक-एंड-चूज वाली कार्रवाई की पोल खोलता है। यह बेहद हैरान करने वाली बात है कि एक वार्ड में जीके-2 मार्केट के दो जिम सील कर दिए गए, जबकि उसी साउथ जोन में अन्य जिम और कमर्शियल इमारतें अभी भी खुली हुई हैं।

उधर, एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने भी भाजपा सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार के चलते आए दिन गिर रही इमारतों को लेकर काफी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के प्रसिद्ध चावड़ी बाजार में चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के सामने गली सितारा में तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत का अचानक भरभरा कर गिरना बेहद चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है।

अंकुश नारंग ने कहा कि दिल्ली में आए दिन इमारतें गिर रही हैं, लोगों की जान खतरे में पड़ रही है, लेकिन भाजपा सरकार और भाजपा शासित एमसीडी दिल्ली में सिर्फ भ्रष्टाचार करने में मशरूफ है। आखिर अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार पर लगाम कौन लगाएगा? क्या भाजपा की चार इंजन वाली सरकार की जिम्मेदारी सिर्फ सत्ता का आनंद लेना और भ्रष्टाचार करना है?इस हादसे की उच्चस्तरीय जांच हो, राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाई जाए और दोषी अधिकारियों व जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई हो। दिल्ली की जनता की जान से खिलवाड़ अब बंद होना चाहिए!

चावड़ी बाजार के शीश महल गली में तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत ढही, मलबे में दबे चार लोगों को निकाला गया, दो की मौत और दो घायल

नई दिल्ली, एजेंसी।

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली के चावड़ी बाजार स्थित गली शीश महल में गुरुवार सुबह करीब 9:48 बजे एक निर्माणाधीन तीन मंजिला इमारत अचानक ढह गई। हादसे के बाद इलाके में अफ़रा-तफ़री मच गई। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF), दिल्ली अग्निशमन सेवा और नगर निगम (MCD) की टीमें मौके पर पहुंचीं और संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। अब तक मलबे से चार लोगों को बाहर निकाला जा चुका है। इनमें से दो लोगों की गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हैं। अधिकारियों के अनुसार, दोनों घायलों की हालत स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। मृतकों की पहचान किशोरी (40 वर्ष) और संजीत (45 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों रेलवे कॉलोनी, मंडावली के निवासी थे। वहीं घायलों की पहचान सहदेव चौधरी (25 वर्ष), पुत्र दारा चौधरी, निवासी मंडावली और फिरोज (37 वर्ष), पुत्र तौहीद, निवासी रेलवे कॉलोनी, मंडावली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में इमारत के मालिकों और ठेकेदारों के खिलाफभारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 105 के तहत मामला दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव अभियान अभी जारी है। मलबे में अन्य लोगों के दबे होने की आशंका को देखते हुए बचाव दल पूरी सतर्कता के साथ तलाशी अभियान चला रहे हैं।

दिल्ली पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को अबू धाबी से प्रत्यर्पित कर भारत लाया, इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस की मदद से हुई कार्रवाई



नई दिल्ली, एजेंसी।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए दुष्कर्म के एक आरोपी को अबू धाबी (यूएई) से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित कर भारत वापस लाया है। आरोपी की पहचान केरल के कन्नूर निवासी 38 वर्षीय सजीर पल्ली मूप्पन उर्फ सजीर पीएम के रूप में हुई है। वह एक निजी कंपनी जोयालुक्कास में सीनियर मैनेजर के पद पर कार्यरत था। आरोपी पर 20 वर्षीय युवती को नशीले पदार्थ और शराब पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। दिल्ली पुलिस ने सीबीआई, इंटरपोल, गृह मंत्रालय (एमएचए), विदेश मंत्रालय (एमईए) और अन्य संबंधित एजेंसियों के सक्रिय सहयोग से यह कार्रवाई पूरी की। आरोपी को 4 नवंबर 2026 को यूएई अधिकारियों ने औपचारिक रूप से दिल्ली पुलिस की टीम को सौंपा, जिसके बाद उसे भारत लाया गया। पुलिस के अनुसार, घटना 1 अक्टूबर 2025 की रात की है। पंजाबी बाग स्थित एक लाउंज में कंपनी के कर्मचारियों की जन्मदिन पार्टी आयोजित की गई थी, जिसमें पीड़िता भी शामिल हुई थी। आरोप है कि पार्टी के दौरान आरोपी ने युवती को शराब और नशीले पदार्थों का सेवन कराया। इसके बाद वह उसे करोल बाग स्थित एक होटल में ले गया, जहां 2 अक्टूबर की सुबह कथित तौर पर उसकी इच्छा के विरुद्ध दुष्कर्म किया। आरोप यह भी है कि होटल में चेक-इन के दौरान आरोपी ने पीड़िता की पहचान छिपाने के लिए किसी तीसरे व्यक्ति के पहचान संबंधी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया।

जनकपुरी में इंश्योरेंस के नाम पर साइबर ठगी करने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़, मालिक समेत 43 लोग पकड़े, 48 मोबाइल, लैपटॉप और दो लाख रुपये नकद बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी।



नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के पश्चिमी जिले की टीम ने जनकपुरी में इंश्योरेंस पॉलिसी के नाम पर लोगों से साइबर ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान कॉल सेंटर से 32 महिलाओं और 11 पुरुषों समेत कुल 43 लोगों को पकड़ा है। इनमें कॉल सेंटर का मालिक, मैनेजर, एचआर मैनेजर, असिस्टेंट मैनेजर और अन्य कर्मचारी शामिल हैं। पुलिस ने मौके से दो लाख रुपये नकद, 48 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 38 सिम कार्ड और 22 डेबिट, क्रेडिट व पेमेंट कार्ड बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 4 नवंबर 2026 को जनकपुरी के ए-3/11 स्थित दूसरी मंजिल पर इंश्योरेंस के नाम पर साइबर ठगी करने वाले कॉल सेंटर के संचालन की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद एसीपी ऑपरेशंस राजेश कुमार के नेतृत्व और डीसीपी पश्चिम जिला हरेश्वर वी. स्वामी की निगरानी में इंस्पेक्टर अमित धानी की टीम ने मौके पर छापा मारा। वहां 43 लोग अलग-अलग वर्कस्टेशन पर बैठकर कीपैड मोबाइल फोन के माध्यम से लोगों को कॉल करते मिले। आरोप है कि ये कर्मचारी पीएनबी मेटलाइफ, एसबीआई इंश्योरेंस, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड और भारती एक्सा जैसी बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि बनकर पॉलिसीधारकों से संपर्क करते थे और उन्हें पॉलिसी अपग्रेड, अतिरिक्त लाभ तथा आकर्षक योजनाओं का झांसा देते थे।

जांच में सामने आया कि कॉल सेंटर का मालिक विशाल कपूर कथित तौर पर पॉलिसीधारकों का व्यक्तिगत डेटा और मोबाइल नंबर उपलब्ध कराता था। टेलीकॉलर बीमा कंपनियों का प्रतिनिधि बनकर ग्राहकों को फोन करते और उन्हें आकर्षक योजनाओं का लालच देते थे। इच्छुक ग्राहकों की जानकारी मैनेजर और एचआर विभाग के माध्यम से मालिक तक पहुंचाई जाती थी। इसके बाद ग्राहकों से सौदे की बातचीत कर उन्हें पैसे ट्रांसफर करने के लिए बैंक खातों की जानकारी दी जाती थी। पुलिस के मुताबिक, कॉल सेंटर संचालक और प्रशासनिक कर्मचारियों के पास किसी भी बैंक या बीमा कंपनी की ओर से ग्राहकों से संपर्क करने अथवा उनका व्यक्तिगत डेटा इस्तेमाल करने की अधिकृत अनुमति से संबंधित दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों विशाल कपूर (35), निवासी ग्रेटर फरीदाबाद, हरियाणा, नितिन शर्मा (39), निवासी एनआईटी-द्वद्व फरीदाबाद, गुंजन (23), निवासी द्वारका मोड़, दिल्ली, अजय (24), निवासी उत्तम नगर, दिल्ली और भीम (35), निवासी फरीदाबाद, हरियाणा को गिरफ्तार किया है। इनमें विशाल कपूर कॉल सेंटर का मालिक, नितिन शर्मा एडमिन, गुंजन एचआर मैनेजर, अजय असिस्टेंट मैनेजर और भीम मैनेजर बताया गया है। इनके अलावा मौके पर मौजूद 38 टेलीकॉलर्स को भी पकड़ा गया।

गहन स्वच्छता एवं प्रदूषण रोधी अभियान के तहत एमसीडी द्वारा दिल्ली के सभी 12 ज़ोन में प्रमुख रिंग रोड मार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया

सैकड़ों सफाई कर्मचारियों, वाटर टैंकरों, जेटिंग मशीनों एवं मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों की तैनाती; एमसीडी आयुक्त श्री संजीव खिरवार ने पंजाबी बाग स्थित रिंग रोड पर सफाई कार्यों का निरीक्षण किया

नई दिल्ली, एजेंसी।

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा अपने विशेष दैनिक दो घंटे के गहन सफाई अभियान के अंतर्गत आज दिल्ली के सभी 12 ज़ोन में प्रमुख रिंग रोड मार्गों एवं उनसे सटी सर्विस रोड पर व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाया गया। यह विशेष अभियान दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक संबंधित ज़ोन के उपायुक्तों की प्रत्यक्ष निगरानी में संचालित किया गया। अभियान का उद्देश्य प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्रों में स्वच्छता सुनिश्चित करना, सड़कों को धूलमुक्त बनाना तथा सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ करना है।

इस विशेष अभियान के तहत प्रमुख सड़कों, फुटपाथों, सेंट्रल वर्ज, सड़क किनारों, चौराहों, सर्विस रोड तथा आसपास के सार्वजनिक स्थलों की व्यापक सफाई की जा रही है। यह अभियान नियमित दैनिक सफाई कार्यों से अतिरिक्त एक विशेष क्षेत्रीय स्तर का अभियान है। अभियान के दौरान एमसीडी आयुक्त श्री संजीव खिरवार ने पश्चिमी ज़ोन के पंजाबी बाग स्थित रिंग रोड पर सफाई स्थल का दौरा किया तथा चल रहे सफाई कार्यों का निरीक्षण करते हुए तैनात कर्मचारियों की समीक्षा की।

पश्चिमी ज़ोन में पांच प्रमुख स्थानों पर गहन सफाई अभियान चलाया गया, जिसके लिए कुल 241 सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। इनमें शिव मंदिर रोड, बापरोला (32 कर्मचारी), 55 फुटा रोड (35 कर्मचारी), मुख्य नजफगढ़ रोड (39 कर्मचारी), नंदा देवी चौक, डीडीए बिंदापुर, नजफगढ़ रोड पिलर संख्या 576 से 639 तक (55 कर्मचारी) तथा रिंग रोड, पंजाबी बाग (80 कर्मचारी) शामिल हैं।

दक्षिणी ज़ोन में ज़ोन के सभी 23 वार्डों में व्यापक गहन सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में लगभग 300 अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों, 20 टिपर वाहनों तथा 11 वाटर टैंकरों की तैनाती की गई। सफाई टीमों द्वारा लगभग 41 किलोमीटर सड़कों की सफाई की गई तथा सेंट्रल वर्ज, ग्रीन बेल्ट, फुटपाथों और सड़क किनारे के क्षेत्रों से लगभग 7 मीट्रिक टन धूल तथा 2 मीट्रिक टन कूड़ा एवं अपशिष्ट हटाया गया। इसके अतिरिक्त, तैनात 11 वाटर टैंकरों की सहायता से सभी 41 किलोमीटर सड़कों की धुलाई भी की गई। सफाई कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों का भी उपयोग किया गया।

दक्षिण-पूर्वी ज़ोन में वार्ड संख्या 142, 144, 170, 181, 188 एवं 189 के अंतर्गत लाजपत नगर, नेहरू नगर, मथुरा रोड, तुगलकाबाद एक्सटेंशन तथा रिंग रोड सहित विभिन्न क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया गया। दक्षिण-पश्चिमी ज़ोन में ककरोला, सेक्टर-20 मार्बल मार्केट, आईजीआई एयरोसिटी, महिपालपुर एवं वसंत कुंज सहित प्रमुख स्थानों पर गहन सफाई की गई। करोल बाग ज़ोन में नारायणा औद्योगिक क्षेत्र, रिंग रोड तथा नारायणा गांव में सफाई अभियान संचालित किया गया।

मध्य-उत्तरी ज़ोन में वजीरपुर के निकट चिन्हित स्वच्छता हॉटस्पॉट पर अभियान चलाया गया, जिसमें 30 सफाई कर्मचारियों, 2 जेटिंग मशीनों तथा 4 ऑटो टिपरों की तैनाती की गई। उत्तरी ज़ोन में लगभग 6 किलोमीटर सड़क क्षेत्र की सफाई की गई। इस कार्य के लिए 34 सफाई



कर्मचारियों, 2 जेटिंग मशीनों तथा 2 वाटर स्प्रिंकलिंग मशीनों को तैनात किया गया। उत्तर-पूर्वी ज़ोन में प्रमुख सड़कों की गहन सफाई के लिए 1,896 सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। सफाई कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए 3 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें (एमआरएसएम), 4 जेटिंग-कम-स्प्रिंकलर मशीनें, 15 ऑटो टिपर तथा 10 ई-रिक्शा भी लगाए गए।

एमसीडी द्वारा यह विशेष अभियान छह दिवसीय निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित किया जा रहा है, जिसमें प्रमुख बाजारों एवं व्यावसायिक केंद्रों, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों, रिंग रोड एवं आउटर रिंग रोड के प्रमुख हिस्सों, संस्थागत क्षेत्रों तथा अन्य प्रमुख सार्वजनिक एवं आवासीय क्षेत्रों को शामिल किया गया है। संबंधित ज़ोन के उपायुक्त व्यक्तिगत रूप से अभियान का नेतृत्व एवं निगरानी कर रहे हैं, ताकि सफाई कार्यों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।